MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 04 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-152

मौत की होटल

अग्निकांड में 21 मरे, मालिक बजाज अरेस्ट

नयी दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मालवीय नगर में मौजूद हौज रानी इलाके में हुए भीषण होटल अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल भवन के मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद पुलिस ने पहले लवकेश बजाज और उनकी पत्नी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था ताकि वो देश छोड़कर फरार न हो सकें।

इसके बाद विशेष टीमों को उनकी तलाश में लगाया गया और आखिरकार पुलिस ने लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया। यह हादसा दक्षिण दिल्ली के हौज रानी क्षेत्र में स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी होटल में बुधवार सुबह हुआ था। आग ने कुछ ही देर में पूरी पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। होटल के भीतर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। दमकल और राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर बड़े स्तर पर बचाव अभियान चलाया और दर्जनों लोगों को बाहर निकाला।

21 की मौत, 49 अस्पताल में भर्ती

दिल्ली पुलिस के अनुसार इस अग्निकांड में कुल 49 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान 21 लोगों ने दम तोड़ दिया। इनमें 9 भारतीय नागरिक और 12 विदेशी नागरिक शामिल हैं। वहीं 8 घायलों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य घायलों का इलाज अभी भी जारी है।

फायर एनओसी के बिना चल रहा था होटल

जांच में सामने आया है कि होटल कथित रूप से बिना अनिवार्य फायर एनओसी के संचालित किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार इमारत में सिर्फ एक ही प्रवेश और निकास मार्ग था। खिड़कियां स्थायी रूप से बंद थीं और मुख्य दरवाजा सेंसर आधारित था।

जांचकर्ताओं का मानना है कि इन कारणों से लोगों को समय पर बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका और जनहानि बढ़ गई। जांच एजेंसियों ने यह भी पाया है कि होटल निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक लोगों को ठहरा रहा था। दिल्ली सरकार की बेड एंड ब्रेकफास्ट नीति के तहत होटल को केवल 6 कमरों की अनुमति थी, लेकिन यहां करीब 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इनमें कुछ कमरे बेसमेंट में भी बनाए गए थे। आरोप है कि समय के साथ इमारत में अतिरिक्त मंजिलों का भी निर्माण किया गया था और इसके लिए आवश्यक मंजूरियां नहीं ली गई थीं।

▶8पर

अग्रवाल परिवार ने 8 सदस्य खोये

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौज रानी इलाके के एक होटल में लगी भीषण आग ने कई परिवारों को गहरा जख्म दिया है। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हुई है। इनमें गुरुग्राम के सेक्टर-46 निवासी अग्रवाल परिवार के आठ सदस्य भी शामिल बताए जा रहे हैं। यह परिवार दिल्ली अपने बुजुर्ग सदस्य के इलाज के लिए आया था, लेकिन एक दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को तबाह कर दिया।

जानकारी के अनुसार राधेश्याम अग्रवाल, जिनकी उम्र 80 वर्ष से अधिक बताई जा रही है, मालवीय नगर स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती थे। वह फेफड़ों से जुड़ी बीमारी का इलाज करा रहे थे। उनकी देखभाल के लिए परिवार के सदस्य अस्पताल के पास ही एक होटल में ठहरे हुए थे ताकि जरूरत पड़ने पर आसानी से अस्पताल आ-जा सकें।हादसे के समय होटल में राधेश्याम अग्रवाल के 48 वर्षीय बेटे विवेक अग्रवाल, बहू तरजनी अग्रवाल, पत्नी और उनकी दो पोतियां जीविषा उर्फ एंजल तथा वार्या उर्फ पर्ल मौजूद थीं। बताया जा रहा है कि आग और सिलेंडर विस्फोट की इस घटना में ये सभी लोग जान नहीं बचा सके। अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

▶8पर

हाँ, मैंने कहा था पागल!

नेतन्याहू पर ट्रंप क्रेजी

नयी दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को क्रेजी कहने की कहानी का सच सामने आ गया है। ट्रंप ने इस बात को स्वीकार किया है कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को क्रेजी यानी कि पागल कहा था। ट्रंप ने कहा कि वह थोड़े परेशान थे क्योंकि लेबनान में हिज़बुल्ला के साथ इज़रायल की लड़ाई ईरान के साथ शांति वार्ता में रुकावट डाल रही थी।

ट्रंप ने कहा, हां, मैंने कहा था, मुझे हमेशा गुस्सा आ जाता है। मैं उनसे थोड़ा परेशान था, क्योंकि वे लगातार लेबनान से लड़ाई कर रहे थे। मैंने कहा ˉ इसे रोकना पड़ेगा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी माना कि तनाव के बावजूद नेतन्याहू के साथ उनके संबंध सॉलिड हैं और वे एक-दूसरे से इसलिए जुड़े हुए हैं, क्योंकि वे दोनों ही युद्धकालीन नेता हैं। ट्रंप ने द न्यूयॉर्क पोस्ट के पॉड फ़ोर्स वन से कहा, हमने साथ मिलकर बहुत अच्छा काम किया है। मैं बीबी को बहुत पसंद करता हूं और मैं उनके साथ बहुत अच्छे से काम करता हूं। ट्रंप इजरायल के पीएम को बीबी कहते हैं।

नेतन्याहू पर एकदम से उखड़ गए थे ट्रंप

बता दें कि 1-2 जून को ट्रंप जब इजरायली पीएम से फोन पर बात कर रहे थे, तो वे एकदम से नाराज हो गए थे। इस दौरान उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू को फोन पर कहा था, तुम्हारा दिमाग खराब हो चुका है, अगर मैं न होता, तो तुम अब तक जेल में होते। ये मैं हूं जो तुम्हारी जान बचा रहा हूं। अब हर कोई तुमसे नफरत करता है। इसी वजह से हर कोई इजरायल से भी नफ़रत करता है। माना जा रहा था ट्रंप इजरायल की ओर से लेबनान पर हमला करने के फैसले से नाराज थे।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा इस बात को स्वीकार करना कि नेतन्याहू के साथ उनकी तनावपूर्ण बात हुई थी इस बात का संकेत है कि ईरान युद्ध को सुलझाने के लिए उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है, क्योंकि ऊर्जा की बढ़ती कीमतें और आर्थिक अनिश्चितता रिपब्लिकन पार्टी को मध्यावधि चुनावों में नुकसान पहुंचा रही हैं और वैश्विक व्यापार में भी बाधा डाल रही हैं।

लेकिन ट्रंप ने इस संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी समय-सीमा के बारे में कोई पक्का वादा नहीं किया। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि होर्मुज स्ट्रेट 7 सितंबर को लेबर डे की छुट्टी तक बंद ही रहे।

▶8पर

बंगाल में महाखेला

ममता धर्मसंकट में, 60 बागी एकजुट

कोलकाता, 03 जून (एजेंसियां) ममता बनर्जी के साथ खेला सुबह-सुबह शुरू हुआ। बुधवार सुबह से पश्चिम बंगाल विधानसभा में जो घटनाक्रम हुआ उसने ममता बनर्जी के राजनीतिक करियर में भूचाल ला दिया है।

पिछले कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए टीएमसी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने बुधवार को बागी टीएमसी विधायकों के नए गुट को आकार दे दिया। बुधवार सुबह करीब 10 बजे के आसपास ऋतब्रत बनर्जी विधानसभा पहुंच गए। इसके साथ ही एक के बाद एक टीएमसी के बागी विधायक अपनी-अपनी कार से विधानसभा पहुंचने लगे। ज्यादातर विधायकों की कार में काले शीशे थे। लेकिन तब तक साफ हो चुका था कि टीएमसी में बागी विधायकों का अलग धड़ा बन चुका है और कई विधायकों ने विधानसभा घुसने के दौरान साफ कर दिया कि वे ऋतब्रत के नेतृत्व में अलग गुट बना कर विधानसभा स्पीकर को चिट्ठी देने जा रहे हैं। अब तक सूचना भी आ चुकी थी कि बागी गुट को 59 विधायकों का समर्थन है और इनमें से लगभग 25 बागी विधायक विधानसभा पहुंच चुके थे।

स्पीकर की असेंबली में एंट्री ने बागियों के कदम पर लगाई मोहर

थोड़ी देर में विधानसभा स्पीकर रवीन्द्रनाथ बोस भी विधानसभा में प्रवेश करते दिखे। थोड़ी देर में ही बागी विधायकों ने 59 विधायकों के हस्ताक्षर वाली चिट्ठी रवीन्द्रनाथ बोस को सौंप दी। इस चिट्ठी में तृणमूल कांग्रेस की ओर से ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के साथ अखरूजमा को चीफ व्हिप और जावेद ख़ान, संदीपन साहा, शिउली साहा और सबीना यास्मीन को डिप्टी लीडर के तौर पर मान्यता देने की मांग की गई थी।

▶8पर

इत्तेफाक मुलाक़ात-टीएमसी खाक
बंग भवन में शुभेंदु-ऋतब्रत मिले थे

नयी दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। राजनीति में इत्तेफाक होते हैं? अगर हां तो आज जो बंगाल में हो रहा है उसे राजनीतिक इत्तेफाक ही कहा जाएगा। पर इस इत्तेफाक की शुरुआत पश्चिम बंगाल में 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद हुई। दिल्ली में बंगाल के बंग भवन में सीएम शुभेंदु अधिकारी और ऋतब्रत बनर्जी की 22 मई को इत्तेफाकन मुलाकात हुई। और इसी मुलाकात का नतीजा ये है कि आज ऋतब्रत बनर्जी 60 टीएमसी विधायकों के साथ बागी हो गए हैं। वो ममता बनर्जी को अपना नेता जरूर मान रहे हैं लेकिन खुद विपक्षी नेता की कुर्सी पर बैठ रहे हैं। उन्होंने स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर का पत्र भी सौंपा है और अब स्पीकर ने उन्हें विधानसभा में विपक्षी दल नेता के कमरे की चाभी दे दी है।

कहानी इत्तेफाक वाली मुलाकात की

4 मई को पश्चिम बंगाल में बीजेपी की लहर के बाद टीएमसी में रातोरात दौड़-भाग शुरू हो गई। भले ही ममता बनर्जी ने खुलकर हार नहीं स्वीकारा पर उन्होंने उसके बाद जितनी बैठकें बुलाईं उनमें धीरे-धीरे पार्टी पर से उनकी पकड़ कमजोर पड़ती गई। एक बैठक से दूसरे बैठक में विधायक, सांसद और पार्षदों की उपस्थिति की संख्या कम से कम होती गई। एक तरफ टीएमसी के नेता, कार्यकर्ता और खुद अभिषेक बनर्जी ग्राउंड पर चोर-चोर नारे,

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 27^0

कॉलेज में 1 करोड़ कैश बंदूक और कंडोम

कोलकाता, 03 जून (एजेंसियां) कोलकाता के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शामिल सुरेंद्रनाथ कॉलेज एक बड़े विवाद के केंद्र में आ गया है। कॉलेज के छात्रसंघ कक्ष से करीब एक करोड़ रुपये नकद, दो एसी बेडरूम, शराब की बोतलें, कंडोम के पैकेट और एक रिवॉल्वर बरामद होने के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कॉलेज का छात्रसंघ कक्ष लगभग एक वर्ष बाद खोला गया। वर्ष 2025 में कलकत्ता हाई कोर्ट ने कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण छात्रसंघ कक्षों को बंद करने का निर्देश दिया था। यह आदेश दक्षिण कोलकाता लॉ कॉलेज के छात्रसंघ कक्ष में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद आया था।हाल ही में राज्य सरकार द्वारा कॉलेजों में छात्रसंघ निधि के खर्च का लेखा-जोखा जांचने के निर्देश दिए गए। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने

▶8पर

संविधान हाथ में लेकर डीके शपथ

जी. परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने

बेंगलुरु, 03 जून (एजेंसियां) । डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान वे हाथ में संविधान रखे हुए थे। उन्हें 30 मई को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। जी परमेश्वर ने नए डिप्टी चीफ मिनिस्टर पद की शपथ ली। इनके अलावा 12 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें पूर्व सीएम सिद्धारमैया के एमएलसी बेटे यतींद्र सिद्धारमैया भी शामिल हैं।

शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह राज्य की कमान संभालेंगे। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे। उधर, बीके हरिप्रसाद कर्नाटक कांग्रेस के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। नई कैबिनेट में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा केरल, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण से ठीक एक दिन पहले सिद्धारमैया को कांग्रेस

▶8पर

प्रियंका को नई जिम्मेदारी!

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल

नयी दिल्ली, 03 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनते ही कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी जगह बीके हरिप्रसाद को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान सौंप दी है। कर्नाटक के बाद अब कांग्रेस संगठन में देशव्यापी बड़े फेरबदल के आसार हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक जल्द आधा दर्जन से ज्यादा राज्यों के प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष बदलने की तैयारी चल रही है। इसको लेकर बीते हफ्ते राहुल गांधी की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

▶8पर

न्यूयार्क सीनेट में 15 अगस्त 2026 को भारत स्वतंत्रता दिवस घोषित करने का प्रस्ताव पारित

न्यूयार्क

अमेरिकी राज्य न्यूयार्क की सीनेट ने भारतीय स्वतंत्रता दिवस के संबंध में ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया है। सीनेट ने पारित प्रस्ताव (संख्या 1935) में राज्य की गवर्नर कैथी होचुल से इस वर्ष 15 अगस्त 2026 को राज्य में भारत स्वतंत्रता दिवस घोषित करने का आग्रह किया है। इस अवसर पर सांसदों ने महात्मा गांधी की विरासत को याद किया और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना की।

न्यूयार्क सीनेट की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, इस विधायी निकाय ने 15 अगस्त 2026 को आधिकारिक तौर पर भारत स्वतंत्रता दिवस के रूप में मान्यता देने का प्रस्ताव पारित किया है। यह ऐतिहासिक कदम भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों और न्यूयार्क में भारतीय समुदाय के बढ़ते प्रभाव एवं योगदान को दर्शाता है।

प्रस्ताव में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सभ्यतागत मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान किया गया है। इस अवसर पर सांसदों ने अहिंसा और स्वतंत्रता के प्रतीक महात्मा गांधी के विचारों और विरासत को विशेष रूप से याद किया। न्यूयार्क के विकास, अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अमूल्य योगदान की सराहना की गई है। इस प्रस्ताव का पारित होना अमेरिका और भारत के बीच सुदृढ़ होते द्विपक्षीय संबंधों और आपसी सहयोग का शानदार प्रतीक है।

सीनेटर कूनी ने गवर्नर कैथी होचुल से आग्रह किया है कि अब वह 15 अगस्त, 2026 को न्यूयार्क राज्य में भारत स्वतंत्रता दिवस के रूप में घोषित करें। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत को ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्र घोषित किया गया था। यह स्वतंत्रता लगभग 200 वर्षों के औपनिवेशिक नियंत्रण के बाद मिली। यह 200 वर्ष उत्पीड़न, बलिदान और संघर्ष से भरा दौर है। भारत की स्वतंत्रता दुनिया भर के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मजबूत नागरिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों के साथ-साथ आत्मनिर्णय प्राप्त करने के लिए किए गए 90 वर्षों के संघर्ष की समाप्ति का भी प्रतीक है।

न्यूज ब्रीफ

होर्मुज खोलने भर से नहीं हटेंगे प्रतिबंध, अमेरिका ने ईरान को दिया स्पष्ट संदेश

वाशिंगटन। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल देने से ईरान पर लगाए गए आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध समाप्त नहीं किए जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि प्रतिबंधों में किसी भी प्रकार की राहत के लिए ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम और उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम से जुड़े मुद्दों पर ठोस समझौता करना होगा। रूबियो ने अमेरिकी सांसदों के साथ बातचीत में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के बदले प्रतिबंध हटाने का कोई प्रस्ताव न तो ईरान को दिया गया है और न ही ऐसी किसी व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है। उनके अनुसार, प्रतिबंधों में ढील तभी संभव है जब परमाणु गतिविधियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताओं का समाधान हो। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की हालिया सैन्य कार्रवाई को भी सफल बताया। उन्होंने कहा कि आपरेशन एपिक फ्यूरी ने अपने प्रमुख सैन्य लक्ष्य हासिल किए हैं और इससे ईरान के रक्षा ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची है। रूबियो के मुताबिक, इस अभियान को लेकर अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन सैन्य दृष्टि से यह अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहा। उन्होंने दावा किया कि कार्रवाई के परिणामस्वरूप ईरान की नौसैनिक क्षमताओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी प्रशासन का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार चर्चा चल रही है।

ओबामा की जिस डील पर ट्रंप भड़के थे अब उसी को अपना रहे राष्ट्रपति, ईरान के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिकी राजनीति में शायद ही कोई ऐसा मुद्दा रहा हो, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने बराक ओबामा की उतनी तीखी आलोचना की हो, जितनी 2015 की ईरान परमाणु डील को लेकर की थी। ट्रंप ने उस समय जाइंट काम्प्रिहेंसिव प्लान आफ एक्शन को अमेरिकी इतिहास का सबसे खराब समझौता बताया था। साल 2018 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने इस डील से अमेरिका को बाहर निकालकर इसे अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनाया था। लेकिन अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि ईरान के साथ नए समझौते की कोशिशों में ट्रंप को उसी पुराने माडल का सहारा लेना पड़ सकता है, जिसे उन्होंने कभी पूरी दुनिया के सामने नाकाम और खतरनाक करार दिया था। यही वजह है कि अमेरिका में एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है कि क्या ट्रंप वास्तव में कोई नई और मजबूत डील बना रहे हैं या सिर्फ पुराने समझौते को ही नए पैकेज में पेश करने की कोशिश हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि ईरान के साथ चल रही मौजूदा बातचीत के कई बिंदु सीधे तौर पर ओबामा युग के जेसीपीओए की याद दिलाते हैं।

हजारों साल पुराने पैरों के निशानों ने बदली इंसानी इतिहास की थ्योरी

न्यू मैक्सिको। लंबे समय तक वैज्ञानिक मानते रहे कि इंसान लगभग 13 हजार साल पहले साइबेरिया से बेरिंगिया नामक जमीनी पुल पार करके उत्तरी अमेरिका पहुंचे थे और वहीं से क्लोविस संस्कृति की शुरुआत हुई। इसे इंसानों की अमेरिका में मौजूदगी का सबसे पुराना और मजबूत प्रमाण माना जाता था। लेकिन अब न्यू मैक्सिको के व्हाइट सैंड्स नेशनल पार्क में मिले 23 हजार साल पुराने पैरों के निशानों ने इस थ्योरी को पूरी तरह चुनौती दे दी है। व्हाइट सेंडस नेशनल पार्क में मिली एक ऐतिहासिक खोज ने इंसानों के अमेरिका पहुंचने की पूरी कहानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साल 2019 में पुरातत्वविद जिप्सम के सफेद टीलों के नीचे खुदाई कर रहे थे, तभी उन्हें जमीन में दबे इंसानी पैरों के जीवाश्म मिले। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये निशान उस दौर के हैं जब पृथ्वी पर आखिरी हिमयुग अपने चरम पर था। उस समय उत्तरी गोलार्ध का बड़ा हिस्सा बर्फ की मोटी चादरों से ढका हुआ था और माना जाता था कि इंसानों के अमेरिका आने के रास्ते बंद थे। शुरुआती अध्ययन 2021 में साइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ था। इसमें पैरों के निशानों के आसपास मिली जलीय पौधे रुप्पिया सिरोसा के बीजों की रेडियोकार्बन डेटिंग की गई। नतीजों में इन निशानों की उम्र 21 हजार से 23 हजार साल के बीच बताई गई।

ईरान के हमलों से कुवैत, बहरीन में अफरा-तफरी, अमेरिकी सेना ने मार गिराए ड्रोन-मिसाइल, लेबनान में धमाके

कुवैत सिटी/मनामा/बेरूत/वाशिंगटन

ईरान ने अमेरिका के साथ चल रहे शांति समझौते के प्रयासों के बीच कुवैत और बहरीन पर हवाई हमला कर अपना इरादा साफ कर दिया है। कुवैत और बहरीन अमेरिका के सहयोगी देश हैं। दोनों जगह अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने स्वीकार किया है कि उसने इन देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान इस समय लेबनान पर हो रहे इजराइली हमलों से बिफरा हुआ है। इजराइल लेबनान में जड़ें जमा चुके ईरान समर्थक आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के ठिकानों को तहस-नहस कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हमले रोकने की अपील बेअसर साबित हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत की हवाई सुरक्षा प्रणाली इस समय दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल हमलों का जवाब दे रही है। कुवैती सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने मंगलवार देररात घोषणा की कि देश पर ड्रोन और मिसाइल हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल हमलों का जवाब दे रही हैं। जनरल स्टाफ ने बाद में एक बयान में कहा कि अभी भी धमाके हो रहे हैं।

अमेरिकी सेना ने इन हमलों का जोरदार मुकाबला किया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों को हरा दिया है। उसने अपने पड़ोसी देशों पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों की एक पूरी श्रृंखला को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है। साथ ही ईरान के केशम द्वीप पर आत्मरक्षा में जवाबी हमले किए हैं। सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा, ईरान ने पड़ोसी देशों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उनमें से कोई भी अपने तय निशाने पर नहीं पहुंच पाई। कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही गिर गईं या रास्ते में ही टूटकर बिखर गईं। बहरीन पर दागी गई तीन मिसाइलों को अमेरिका और बहरीन की हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने बीच में ही रोक लिया।

बहरीन के गृह मंत्रालय ने पुष्टि की है कि हमले की आहट मिलते ही सुरक्षा सायरन बजाए गए। मंत्रालय के अनुसार, बहरीन ने अपना हवाई क्षेत्र भी बंद कर दिया है और नागरिक उड़ानों को रोक दिया है। इस बीच कुवैत के गृह मंत्रालय ने जनता से अपील की कि वे किसी भी मिसाइल के टुकड़े, संदिग्ध वस्तु या मलबे के पास न जाएं और न ही उन्हें छुएं।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसकी सेना ने एक खाली तेल टैंकर को बेकार कर दिया है। यह टैंकर अरब खाड़ी में स्थित एक ईरानी बंदरगाह की ओर जाने की कोशिश कर रहा था। कमांड ने कहा कि एक अमेरिकी विमान ने बोत्सवाना के झंडे वाले एमटी लेक्सी के इंजन कक्ष पर हेलफायर मिसाइल दागी। इससे बाद टैंकर खर्ग द्वीप तक नहीं पहुंच पाया। नाकाबंदी लागू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने अब तक छह कमर्शियल जहाजों को बेकार कर दिया है और 122 अन्य जहाजो का रास्ता बदलने को मजबूर किया है।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को दक्षिणी लेबनान पर हुए इजराइली हमलों में पांच लोग मारे गए, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है और 48 लोग घायल हुए। मंत्रालय ने बयान में कहा कि इन हमलों में घायल होने वालों में तेबनिन सरकारी अस्पताल के एक डाक्टर और पांच कर्मचारी शामिल हैं। धमाकों से इस अस्पताल को भी नुकसान पहुंचा है।

सक्रिय ज्वालामुखी मायोन के ऊपर से तेजी से गुजरते देखा उल्कापिंड को

मनीला

सोमवार रात को फिलीपींस में आसमान में सबसे ज्यादा सक्रिय मायोन ज्वालामुखी के ऊपर से एक चमकता हुआ उल्कापिंड तेजी से गुजरता दिखाई दिया। यह पूरी घटना न केवल प्रत्यक्षदर्शियों के लिए किसी चमत्कारी दृश्य से कम नहीं थी, बल्कि इसे कैमरे में भी स्पष्ट रूप से कैद कर लिया गया।

फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने इस घटना की पुष्टि की। संस्थान के अनुसार, यह अद्भुत खगोलीय घटना 25 मई की रात करीब 10:33 बजे रिकार्ड की गई। फिवोल्क्स के लिग्नान हिल आईपी कैमरे में एक हरे रंग का चमकीला उल्कापिंड मायोन ज्वालामुखी की उत्तरी ढलानों के ठीक ऊपर से गुजरता हुआ दिखा। अंधेरे आसमान की पृष्ठभूमि में इसकी तेज और शानदार रोशनी ने एक ऐसा शानदार दृश्य पेश किया, जिसे शायद ही किसी ने पहले देखा होगा। इस घटना को और भी असाधारण बनाने वाली बात यह रही कि जिस समय यह उल्कापिंड आसमान में अपनी चमक बिखेर रहा था, ठीक उसी दौरान मायोन ज्वालामुखी भी अपनी पूरी सक्रियता पर था।

पिछले लगभग 140 दिनों से यह ज्वालामुखी लगातार लावा उगल रहा है, जो इसकी आंतरिक गतिविधियों का प्रमाण है। सोमवार शाम को भी मायोन में कई छोटे विस्फोट दर्ज किए गए, जिनसे गर्म राख, गैस और पत्थर तेजी से ज्वालामुखी की ढलानों से नीचे बहते देखे गए। फिवोल्क्स ने बताया कि शाम 7:20 बजे और 7:26 बजे राख और गर्म मलबे का तेज बहाव देखा गया, जबकि 7 बजकर 25 मिनट पर एक हल्का विस्फोट हुआ, जिसमें चमकता हुआ लावा ऊपर की ओर उछलता नजर आया। एक साथ दो शक्तिशाली प्राकृतिक घटनाओं का यह मेल एक दुर्लभ और विस्मयकारी क्षण था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए, स्थानीय प्रशासन ने मायोन ज्वालामुखी पर अलर्ट लेवल-3 लागू कर रखा है। यह दर्शाता है कि ज्वालामुखी में गतिविधियां काफी बढ़ चुकी हैं और कभी भी एक बड़ा तथा विनाशकारी विस्फोट हो सकता है। लोगों को ज्वालामुखी के आसपास के 6 किलोमीटर के स्थायी खतरे वाले इलाके में जाने से सख्त मना किया गया है ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

भारत से वीरगंज सीमा होते हुए 10 महीनों में 2079 करोड़ रुपये के खाद्यान्न का आयात

काठमांडू। नेपाल के प्रमुख व्यापारिक प्रवेश द्वार वीरगंज के रास्ते भारत से पिछले 10 महीनों में 2079 करोड़ रुपये मूल्य के खाद्यान्न का आयात किया गया। वीरगंज कस्टम कार्यालय के सूचना अधिकारी उदय सिंह विष्ट के अनुसार पिछले आर्थिक वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष खाद्यान्न आयात के मूल्य में 387 करोड़ रुपये अर्थात लगभग 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। पिछले आर्थिक वर्ष के पहले 10 महीनों में इसी नाके से 16 प्रकार के खाद्यान्नों का कुल 2466 करोड़ रुपये मूल्य का आयात हुआ था। चालू वित्त वर्ष में सबसे अधिक 1094 करोड़ रुपये मूल्य का धान आयात किया गया। इसके अलावा 531 करोड़ रुपये मूल्य का मक्का तथा 285 करोड़ रुपये मूल्य का चावल नेपाल में आयात हुआ है। इसी अवधि में 59 करोड़ रुपये मूल्य का माल्ट (अंकुरित अनाज) तथा 33 करोड़ रुपये मूल्य के कुद्व, कोदो और अन्य खाद्यान्नों का भी आयात किया गया है। आंकड़ों के अनुसार वीरगंज नाके से खाद्यान्न आयात में गिरावट आई है, हालांकि धान, मक्का और चावल अब भी नेपाल के खाद्यान्न आयात में प्रमुख हिस्सेदारी बनाए हुए हैं।

धरती पर मंडरा रहा सुपर अल नीनो का महासंकट

वाशिंगटन

हमारी पृथ्वी इस साल एक ऐसे महा-संकट की चपेट में आने वाली है, जिसे सुपर अल नीनो का नाम दिया गया है। यह एक प्राकृतिक घटना है, लेकिन इसकी तीव्रता इतनी अधिक होने की आशंका है कि यह पिछले 150 सालों के सभी रिकार्ड तोड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो इस सुपर अल नीनो के कारण दुनिया के कई देशों में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बिगड़ जाएगा, जिससे कहीं भयंकर बाढ़ आएगी तो कहीं जमीन पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगी। यह कुदरत का ऐसा रौद्र रूप होगा जो आम जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। मानव इतिहास में सुपर अल नीनो का सामना अब तक केवल चार बार किया गया है, लेकिन इस बार की घटना को इतिहास की पांचवीं और सबसे विनाशकारी घटना माना जा रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस साल आने वाला सुपर अल नीनो अपने पुराने सभी रिकार्ड तोड़ सकता है और दर्ज इतिहास का सबसे ज्यादा ताकतवर व विनाशकारी साबित हो सकता है। जब भी प्रकृति इस तरह का भयावह रूप लेती है, तो वैश्विक जलवायु प्रणाली पर इसका गहरा असर पड़ता है, जिससे पूरी दुनिया का संतुलन हिल जाता है। इस प्राकृतिक घटना का सीधा संबंध प्रशांत महासागर से है। सामान्यत:, जब प्रशांत महासागर की सतह का पानी अपने औसत तापमान से थोड़ा अधिक गर्म हो जाता है, तो उसे अल नीनो कहा जाता है। लेकिन, जब समुद्र के पानी का यह तापमान सामान्य से बहुत ही ज्यादा और असामान्य रूप से बढ़ने लगता है, तो वह सुपर अल नीनो का रूप ले लेता है। समुद्र के गर्म होने की यह प्रक्रिया दुनिया भर में हवाओं के रुख को बदल देती है, जिससे वैश्विक स्तर पर मौसम का पूरा चक्र ही असंतुलित हो जाता है।

इस सुपर अल नीनो का असर वैश्विक स्तर पर बेहद भयावह होगा। दुनिया के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश और शक्तिशाली चक्रवात आएंगे, जिससे भयानक बाढ़ की स्थिति बन सकती है और शहर के शहर पानी में डूब जाएंगे। वहीं, इसके ठीक विपरीत, कई इलाके भयंकर सूखे की चपेट में आ जाएंगे, जहां नदियां सूख जाएंगी, फसलें बर्बाद होंगी और पीने के पानी की भारी किल्लत हो जाएगी। इन सबके साथ, लोगों को रिकार्ड तोड़ जानलेवा गर्मी और हीटवेव का भी सामना करना पड़ेगा। आर्थिक मोर्चे पर भी इसका सीधा असर दिखेगा। सूखे और बाढ़ से खेती को भारी नुकसान पहुंचेगा, जिससे अनाज, सब्जियों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी। परिणामस्वरूप, बाजारों में महंगाई बढ़ेगी और आम आदमी के बजट पर भारी दबाव पड़ेगा।

बांग्लादेश का बीएसएफ पर लोगों को अवैध रूप से धकेलने का आरोप

ढाका

बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने भारत के प्रमुख अर्धसैनिक बल सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया है। बीजीपी ने भारत की ओर से कथित तौर पर लोगों को धकेले जाने के कारण कड़ा रुख अपनाया है। बीजीबी प्रवक्ता कर्नल अबू हसनत मोहम्मद महमूद आजम ने कहा कि सीमा के रास्ते अवैध रूप से देश में धकेले गए किसी भी व्यक्ति को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बीजीबी मुख्यालय के उप महानिदेशक और बल के प्रवक्ता कर्नल अबू हसनत मोहम्मद महमूद आजम ने कहा कि अगर धकेला गया कोई भी व्यक्ति बांग्लादेशी नागरिकता का दावा करता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों और प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित चौकियों के माध्यम से पहचान सत्यापन के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बीजीबी सीमा पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। लोगों को धकेले जाने की घटनाओं में वृद्धि के कारण बकरीद के दौरान कई कर्मियों की छुट्टी भी रद कर दी गई थी।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जेस्सोर सीमा पर बीजीबी ने घुसपैठ की कोशिश विफल कर दी। यह वाकया रविवार देररात का है।जेस्सोर के शारशा उप जिला के तहत बेनापोल सीमा क्षेत्र में कंटीले तारों की बाड़ में बने एक गेट के रास्ते 10 महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को बांग्लादेश में धकेलने का प्रयास किया गया। इस पर बीजीबी ने हस्तक्षेप कर इस प्रयास को विफल कर दिया। बल के प्रवक्ता आजम ने कहा कि यह लोग अब बेनापोल सीमा के पास सादीपुर गांव में बाम्बेतोला के निकट जीरो लाइन (नो मैन्स लैंड) पर फंसे हुए हैं।

बीजीबी प्रवक्ता ने कहा कि इस मुद्दे के समाधान के लिए एक पत्र भेजा गया, लेकिन भारतीय सीमा सुरक्षा बल ने सोमवार शाम तक कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्ला बोलने वाले व्यक्तियों को सीमा प्रबंधन की मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का पालन किए बिना बांग्लादेश में धकेले जाने के आरोप कोई नई बात नहीं हैं। पिछले एक महीने में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं। जेस्सोर 49 बीजीबी बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल गुलाम मोहम्मद सैफुल आलम खान का कहना है कि 10 व्यक्ति अभी भी भारत-बांग्लादेश सीमा की जीरो लाइन पर मौजूद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मई में सीमा के कई क्षेत्रों से ऐसे आरोप सामने आए कि बांग्ला बोलने वाले लोगों को अवैध प्रवासी या बांग्लादेशी घुसपैठिया करार देकर बांग्लादेश में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा से पहले 24 मई से इसमें तेजी आई। सतखीरा में अलग-अलग सीमा चौकियों से 100 से ज्यादा महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को कथित तौर पर बांग्लादेश की ओर धकेला गया। घुसपैठ की कोशिश के शक में धोला सीमा क्षेत्र और आसपास के इलाकों में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। मई के आखिर में चुआडांगा में दर्शना सीमा पर कथित तौर पर अंदर धकेलने की एक कोशिश के दौरान 10 लोगों को हिरासत में लिया। बीजीबी के अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है। खुफिया गतिविधियों को तेज किया गया है। साथ ही सीमावर्ती समुदायों को निगरानी प्रयासों में शामिल किया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की ज़रूरतों को समझने की संवेदनशीलता है। अगर आप ख़ुद को अभिव्यक्त करने पर ज़ोर देंगे, तो सफलता आपके क़दम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। किसी वृद्ध के स्वास्थ्य को लेकर हुई परेशानी आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा–स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाक़ात हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी। देव मंदिर मे श्रीफल अर्पित करें मानसिक शान्ति का अहसास होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए बच्चे आपसे मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 जून 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 11:33 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 03:42 तक
योग : शुक्ल प्रातः 09:01 तक
करण : बव प्रातः 10:30 तक
चन्द्रराशि : धनु प्रातः 07:42 तक
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सज्जनराज ने नवनिर्वाचित सीएम डीके शिवकुमार को दी बधाई

समावेशी विकास और औद्योगिक प्रगति की जताई उम्मीद

बेंगलूरु, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेंगलूरु के जाने-माने ट्रेड एक्टिविस्ट सज्जन राज मेहता ने कर्नाटक के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार को पदभार संभालने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में कर्नाटक आने वाले वर्षों में विकास, निवेश, रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर), शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में सफलता की नई ऊँचाइयों को छुएगा। मेहता ने उम्मीद जताई कि राज्य की समग्र प्रगति, औद्योगिक विकास तथा आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए नई सरकार बेहद प्रभावी, व्यावहारिक और दूरदर्शी निर्णय लेगी। ट्रेड एक्टिविस्ट ने समावेशी विकास पर जोर देते हुए विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे और कर्नाटक को देश के अग्रणी राज्यों में एक और अधिक सशक्त तथा गौरवशाली स्थान दिलाएंगे। आगामी राजनीतिक भविष्य को लेकर अपनी शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में राज्य सर्वांगीण विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगा।

इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में कर्नाटक की जनता पुनः उनके नेतृत्व और नीतियों पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें सत्ता में लौटने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान करेगी।

फीलखाना जैन संघ ट्रस्ट मंडल में विभिन्न पदों पर नियुक्तियां

नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सम्पन्न, मोहनलाल बागरेचा बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना की नूतन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक बुधवार को मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक में नवगठित ट्रस्ट मंडल के ट्रस्टियों की उपस्थिति रही तथा विभिन्न पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया सम्पन्न की गई।

प्रचार-प्रसार संयोजक मुकेश भाई चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 10 दिन पूर्व संघ में नए ट्रस्टियों को मनोनीत किया गया था। इसके पश्चात नवगठित ट्रस्ट मंडल की यह पहली बैठक निवर्तमान अध्यक्ष गौतम गोलेच्छा एवं निवर्तमान महामंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ महामंत्र नवकार एवं प्रभु श्री महावीर स्वामी के स्मरण के साथ किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान महामंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल ने सभी नवमनोनीत ट्रस्टियों का स्वागत करते हुए उन्हें ट्रस्ट मंडल में शामिल होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बैठक की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इसके अंतर्गत मोहनलाल बागरेचा को अध्यक्ष, रायचंद छाजेड़ को उपाध्यक्ष, जसराज कटारिया संघवी को महामंत्री, महेंद्रकुमार कवाड़ को सहमंत्री, प्रवीणकुमार संकलेचा को कोषाध्यक्ष तथा किशोरकुमार वजावत को सह-कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इसके अतिरिक्त शा. बाबूलाल बागरेचा, शा. भंवरलाल बागरेचा, शा. बाबूलाल सालेचा, शा. ललितकुमार संकलेचा, शा. मनीषकुमार श्रीश्रीमाल, शा. भरतकुमार भंडारी, शा. जीतमल जोटा, शा. नरपत वेदमुथा एवं शा. उगमराज हुंडिया ट्रस्ट मंडल में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल बागरेचा ने सभी पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों से संघ की सेवा में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।

आचार्य ज्ञानचंदजी म.सा. के नगर प्रवेश की तैयारियों को लेकर कोरा संघ की बैठक सम्पन्न

7 जून को भव्य जुलूस के साथ होगा नगर प्रवेश, चातुर्मास समितियों का भी गठन

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ, कोरा द्वारा आनंद भवन में आचार्य ज्ञानचंदजी म.सा. आदि ठाणा के प्रस्तावित नगर प्रवेश एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक संघपति जैन रत्न संपतराज कोठारी एवं संघ अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

संघ के मंत्री अनिल तातेड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ पंच महामंत्र के सामूहिक स्मरण के साथ किया गया। इसके पश्चात विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 7 जून, रविवार को आचार्य ज्ञानचंदजी म.सा. आदि ठाणा एवं सत्याजी आदि ठाणा का नगर प्रवेश कोरा संघ, आनंद भवन में प्रातः 9:00 बजे आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 8:30 बजे एलआईसी कॉलोनी, सिख विलेज स्थित शांतिलालजी, मनोज कुमारजी एवं राकेशजी तालेड़ा के निवास स्थान से भव्य जुलूस के साथ आचार्य भगवंत का नगर प्रवेश कराया जाएगा, जो आनंद भवन पहुंचकर सम्पन्न होगा।

बैठक में वर्ष 2026 में महासती आगमश्रीजी महाराज साहब आदि ठाणा के प्रस्तावित चातुर्मास को लेकर भी चर्चा की गई। सभी सदस्यों की सहमति से चातुर्मास आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया।इनमें धन-संग्रह समिति, भोजन समिति, आवास-निवास समिति, प्रचार समिति सहित अन्य आवश्यक समितियों का गठन किया गया। साथ ही कोरा क्षेत्र के निवासियों के लिए एक टेलीफोन डायरेक्टरी तैयार करने के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि महासती आगमश्रीजी महाराज साहब का चातुर्मास मंगल प्रवेश आगामी 17 जुलाई को होगा।

बैठक के अंत में संघ मंत्री अनिल तातेड़ ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर संघपति जैन रत्न संपतराज कोठारी, चेयरमैन संजय कटारिया, अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल, पारसमल सुखानी, सज्जनराज समदड़िया, राजेंद्र भंसाली, ज्ञानचंदजी कोचेटा, सुरेश गाड़िया, दिलीप सेठिया, राकेश तालेड़ा, महावीर बोहरा, अनिल तातेड़, नरेंद्र मंडोत, दिलीप लोढ़ा, भारत मेहता, संतोष कोठारी, संजय खाटेड़ सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्पन्न

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स स्थित केबीआर पार्क में बुधवार को इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान गणेशजी की आराधना की तथा सामूहिक आरती में सहभागिता निभाई।

पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले) रहे, जिनके सौजन्य से इस धार्मिक आयोजन का सफलतापूर्वक संपादन हुआ।

इस अवसर पर माया अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, सेसाय्या गरु एवं रेड्डी गरु सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने पूजा, आरती एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा भगवान गणेशजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विठ्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला, सेशय्या गरु, विजय कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), सुभाष अग्रवाल, विजय कुमार थुम्बी, पी.सी. जैन, अशोक कुमार रूंगटा, राहुल सिंघल, पीएसआर मूर्ति, श्रीनिवास, भीम, विनोद टिकमानी, विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट), विजया रेड्डी, विजया लक्ष्मी झा, संध्या रानी अग्रवाल, मायाबाई अग्रवाल सहित अनेक भक्तों ने पूजा में सहभागिता करते हुए दर्शन लाभ प्राप्त किया।

पद्मश्री से सम्मानित कैंसर विशेषज्ञ डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी का होगा भव्य सम्मान

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले 30 वर्षों से निरंतर एवं समर्पित भाव से कैंसर-मुक्त समाज के निर्माण तथा कैंसर रोगियों की सेवा में उल्लेखनीय योगदान दे रहे देश के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट एवं अपोलो हॉस्पिटल के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख (एचओडी) तथा प्रोफेसर डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी का 4 जून, बुधवार को भव्य सम्मान किया जाएगा।

हाल ही में 26 मई को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए गए डॉ. रेड्डी का सम्मान समारोह प्रातः 11 बजे जुबली हिल्स स्थित अपोलो हॉस्पिटल में आयोजित होगा। यह कार्यक्रम तेलंगाना मेधावी मंच (तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम) की राज्य इकाई के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसकी जानकारी मंच के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज एवं महासचिव प्रोफेसर अख्तर अली ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी ने उस्मानिया मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस एवं एमडी की उपाधियां प्राप्त कीं। इसके पश्चात उन्होंने चेन्नई स्थित अडयार कैंसर इंस्टीट्यूट से क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी तथा मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल से रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उन्होंने विश्व के अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से ऑन्कोलॉजी में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हासिल किया है। अपने शोध कार्यों एवं चिकित्सा विशेषज्ञता के माध्यम से वे भारत में कैंसर उपचार की आधुनिक एवं अत्याधुनिक तकनीकों को विकसित एवं प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कैंसर पीड़ित बच्चों के उपचार एवं सहायता के उद्देश्य से डॉ. रेड्डी ने वर्ष 2003 में एक फाउंडेशन की स्थापना की थी। इस फाउंडेशन के माध्यम से सैकड़ों बाल कैंसर रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा एवं आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।

डॉ. रेड्डी का मानना है कि धन, नाम और प्रसिद्धि से कहीं अधिक महत्वपूर्ण ईमानदारी, समर्पण और परिश्रम है। उनका कहना है कि कैंसर रोगियों को मानसिक संबल प्रदान करना, उनमें आशा और आत्मविश्वास जगाना तथा उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है।

डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी भारत के अग्रणी कैंसर विशेषज्ञों में गिने जाते हैं। उन्होंने अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों में ऑन्कोलॉजी विषय पर व्याख्यान दिए हैं तथा कैंसर अनुसंधान एवं उपचार के क्षेत्र में उनके योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

सद्गुणों से परिपूर्ण व्यक्ति ही वास्तविक अर्थों में सबसे धनी : राष्ट्रसंत कमल मुनि कमलेश

बेंगलुरु, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश ने कहा कि पद, प्रतिष्ठा, धन और वैभव से संपन्न होने के बावजूद यदि किसी व्यक्ति में सद्गुणों का निवास नहीं है तो वह वास्तविक अर्थों में इंसान कहलाने योग्य नहीं है, बल्कि राक्षस के समान है। वहीं जिस व्यक्ति के पास भौतिक वैभव भले ही कम हो, लेकिन वह सद्गुणों से परिपूर्ण है, वही संसार का सबसे महान और वास्तविक अर्थों में सबसे धनी व्यक्ति है।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत ने कहा कि जीवन में दुर्गुणों का प्रवेश होने पर धन की बर्बादी, आत्मा का पतन, संस्कारों का विनाश तथा चरित्र का नाश होता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सोने की लंका का विनाश हुआ, उसी प्रकार सद्गुणों से रहित व्यक्ति का जीवन भी धन-वैभव होने के बावजूद पतन और विनाश की ओर अग्रसर हो जाता है।

मुनि कमलेश ने कहा कि सद्गुणों को अपनाकर एक सामान्य व्यक्ति भी महापुरुषों की श्रेणी में स्थान प्राप्त कर सकता है। ऐसे लोग मृत्यु के बाद भी समाज के लिए प्रेरणा बनकर जीवित रहते हैं तथा अनंत काल तक जनमानस का मार्गदर्शन करते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि सद्गुणों को न तो खरीदा जा सकता है और न ही बेचा जा सकता है। इनका संबंध न उम्र से है, न जाति से और न ही कुल से। सद्गुणों का सीधा संबंध आत्मा से होता है, जो व्यक्ति को महानता की ओर ले जाते हैं।

राष्ट्रसंत ने कहा कि सज्जन पुरुषों की संगति से सद्गुणों का संचार होता है। यदि सज्जनों से कभी अपमान या तिरस्कार भी मिले तो उनका साथ नहीं छोड़ना चाहिए, जबकि दुर्जनों से चाहे कितना भी सम्मान या सुख-सुविधाएं प्राप्त हों, उनकी संगति से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दुर्जनों की संगति आत्मा की सबसे बड़ी शत्रु है और विष के समान कार्य करती है। वहीं सद्गुण आत्मा के विकास का आधार बनते हैं और जन्म-जन्मांतर तक व्यक्ति के कल्याण का कारण बनते हैं।

राष्ट्रसंत ने संत रविदास, गोस्वामी तुलसीदास एवं संत कबीर का उदाहरण देते हुए कहा कि वे साधारण जीवन और झोपड़ियों में रहने के बावजूद अपने सद्गुणों एवं आध्यात्मिक ऊंचाइयों के कारण आज भी देवतुल्य पूजनीय हैं।

इस अवसर पर महासती सत्य प्रभाजी ने राष्ट्रसंत का अभिनंदन करते हुए श्रमण संघ के मंत्री के रूप में उनके क्रांतिकारी विचारों का उल्लेख किया। धर्मशिला जी, तरुणशीला जी एवं सिद्धिम श्रीजी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

सभा में अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष माणकचंद बडेरा एवं मंत्री महावीरचंद्र मेहता ने जानकारी दी कि गुरुवार को वीरांगना सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में विकास कोठारी, राकेश दलाल, जबरीलाल, सुनील मरलेचा, चेतन गन्ना, मनोज पालरेचा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने धर्मसभा का लाभ लिया। महिला मंडल एवं युवती मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

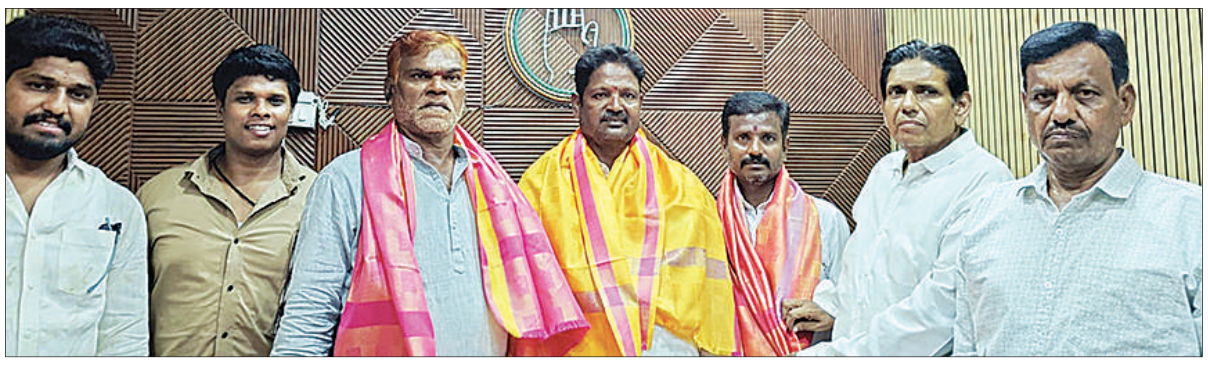

कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों- गनफाउंड्री डिवीजन के नवनियुक्त अध्यक्ष, नुमाइश मैदान (एग्जीबिशन ग्राउंड) के अध्यक्ष और जामबाग डिवीजन के अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट कर बधाई देते हुए आर. ए. विनोद कुमार एवं अन्य।

दुर्गा एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली

मां दुर्गा, की आराधना का पर्व नवरात्र इन दिनों भारतवर्ष में धूम-धाम से मनाया जा रहा है। इन नौ दिनों में शक्ति की आराधना, भक्ति से करने पर मां के भक्तों को मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के बाद दशहरा आता है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा, भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए जाते हैं।

मां दुर्गा का स्वरूप तीनों लोकों में अलौकिक है। दुर्गा रूप में मां सकारात्मक ऊर्जा वायुमंडल में प्रवाहित करती हैं। वह शक्ति (नारी शक्ति/ ऊर्जा) का प्रतीक हैं। मां दुर्गा ने इस पृथ्वी से नकारात्मक ऊर्जा यानी दानवों का संहार किया। मां दुर्गा को आदि शक्ति कहा जाता है, त्रिदेवियां (देवी पार्वती, देवी लक्ष्मी और देवी सरस्वती) भी मां आदिशक्ति का ही रूप हैं। मान्यता है कि जब मां दुर्गा महिषासुर जैसे भयानक दानव से युद्ध करने जा रही थीं, तब त्रिदेवों के साथ देवताओं ने भी उन्हें अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए थे।

ये सभी शस्त्र अपने आप में दुर्लभ थे। तब मां ने इन्हीं शस्त्रों की सहायता से इस दैत्य का संहार किया। दरअसल दुर्गा, एक संस्कृत शब्द है। जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली। इसलिए मां दुर्गा सभी देवी-देवताओं में शक्तिशाली और शक्ति की देवी मानी गई हैं। मां दुर्गा का नाम मात्र लेने से नकारात्मक शक्तिया और दोष- अहंकार, ईर्ष्या, पूर्वाग्रह, घृणा, क्रोध, लालच और स्वार्थ भाग जाते हैं।

वेबसाइट इंडिया करंट्स में सत्या कालरा लिखते हैं, 'मां दुर्गा के आठ हाथ हैं जिनमें आठ तरह तरह के शस्त्र हैं। हर शस्त्र और हाथों की मुद्राएं जिंदगी के लिए कुछ न कुछ सीख देतीं है।' दुर्गा के ऊपरी और दाएं हाथ में चक्र है। यह धर्म चक्र है। यह हमें अपने कर्तव्य और जिंदगी की जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से पूरा करने की सीख देता है। मां दुर्गा के ऊपरी बाएं हाथ में शंख है। यह चिन्ह कहता है कि हमें संतोष के साथ खुशी और हंसमुख रहते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

मां दुर्गा की तलवार उन्मूलन का प्रतीक है। हमें भेदभाव और हमारे बुरे गुणों दूर करना चाहिए। निचले हाथ में मां दुर्गा धनुष और तीर लिए हैं। यह चिन्ह हमें सीख देता है कि भगवान राम की तरह हमारा चरित्र होना चाहिए। जीवन कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पडता है लेकिन हमें अपना धैर्य और चरित्र(मान-सम्मान) नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में कमल का होना प्रतीक है कि हम बाहरी दुनिया में मोह-माया रहित होकर जीवन जीना चाहिए। जैसे कमल, दलदल में खिलकर भी मुस्कुराता है। ठीक उसी तरह इस दलदल रूपी और त म ा म विकारों से भरे संसार में अपनी मुस्कान नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में गदा, हनुमान जी जैसी शक्ति का प्रतीक है। हनुमानजी भक्ति और समर्पण का प्रतीक माने जाते हैं। इसीलिए हमें भी अपने जीवन में भक्ति और समर्पण का भाव रखना चाहिए। भक्ति और सर्वशक्तिमान की इच्छा के रूप में परिणाम स्वीकार करते हैं। मां दुर्गा के हाथ में त्रिशूल है। त्रिशूल साहस का प्रतीक है। त्रिशूल सीख देता है कि हम हमारे नकारात्मक गुणों का संहार कर जीवन में चुनौतियों का सामना करें। सफलता हमारे कदमों में होगी। मां दुर्गा के एक हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में होता है। इसका अर्थ है हमें अपनी और दूसरों की गलतियों को माफ कर जिंदगी में आगे बड जाना चाहिए। मां दुर्गा को शेर की सवारी करते हुए दिखाया गया है। वह इसलिए कि मां शक्ति हैं। और बाघ/ शेर असीमित शक्ति का प्रतीक है। वह जंगल का राजा है। यानि शक्ति सिर्फअसमित शक्ति के सानिध्य में ही रह सकती हैं। शेर के पर भी मां दुर्गा को बैठे हुए प्रतीकात्मक रूप में दिखाया जाता है। शेर दरअसल क्रोध, अहंकार, स्वार्थ के रूप में अनियंत्रित पाशविक प्रवृत्तियों को नष्ट करने का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि हम अपनी अच्छाईयों को नियंत्रित कर नकारात्मक शक्तियों(लालच, ईर्ष्या, इच्छा, आदि अन्य) का संहार करें। मां दुर्गा अमूमन लाल साडी पहनती हैं। लाल रंग लाल कार्रवाई का प्रतीक है और लाल कपडे बुराई को नष्ट करने के प्रतीक हैं। मानव जाति की रक्षा और उन्हें दानवों से बचाने के लिए मां हमेशा तत्पर रहती हैं। मां के पास सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत है, जिससे वह नकारात्मक शक्तियों का नाश करती हैं। मां दुर्गा स्त्री में शक्ति का प्रतीक हैं। वह रचनात्मकता की मूर्ति हैं। उनके चेहरे की आभा से निकलता शुद्ध प्रकाश सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मां की आराधना और उपासना जो भी भक्त करता है। वह अपने जीवन में हमेशा विजयश्री हासिल करता है।

भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे

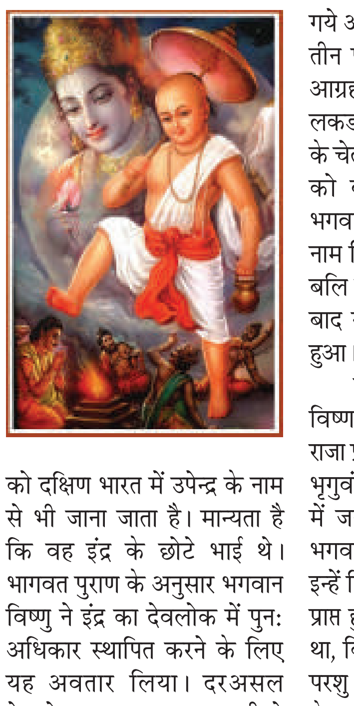

हमारे वेदों में चार युगों का वर्णन मिलता है। ब्रहमाजी का एक दिन यानी चार वेदों का समय है। यह समय सौर वर्ष (12 माह से सौर वर्ष बनता है और सौर वर्ष का प्रथम दिन 'मेष' होता है।) में उल्लेखित है। चार युगों में सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग आते हैं। त्रेतायुग दूसरा युग था जिसमें अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु तीन अवतार लिए थे, जो क्रमश: वामन अवतार, परशुराम अवतार और श्रीराम अवतार के नाम से हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित हैं।

त्रेतायुग में भगवान विष्णु के पांचवें अवतार के रूप में वामन अवतार लिया गया था। पहले चार अवतार क्रमश: मत्स्य, कच्छप, वाराह और नृसिंह थे। वामन अवतार में उन्होंने राजा बलि से तीन पग जमीन मांग कर धरती की रक्षा की थी। छठवां अवतार भगवान ने परशुराम का लिया। इसके बाद भगवान श्रीराम के रूप में भगवान विष्णु इस धरती पर जन्मे थे।

वामन अवतार: भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे। उनके पिता वामन ऋषि और माता अदिति थीं। वह बौने ब्राहमण के रूप में जन्मे थे। वामन भगवान को दक्षिण भारत में उपेन्द्र के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि वह इंद्र के छोटे भाई थे। भागवत पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने इंद्र का देवलोक में पुन: अधिकार स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। दरअसल देवलोक पर असुर राजा बली ने विजयश्री हासिल कर इसे अपने अधिकार में ले लिया था। राजा बली विरोचन के पुत्र और प्रहाद के पौत्र थे। उन्होने अपने तप और पराक्रम के बल पर देवलोक पर विजयश्री हासिल की थी। राजा बलि महादानी राजा थे, उनके दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता था। यह बात जब वामन भगवान को पता चली तो वह एक बौने ब्राहमण के वेष में बली के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग के बराबर भूमि देने का आग्रह किया। उनके हाथ में एक लकडी का छाता था। गुरु शुक्राचार्य के चेताने के बावजूद बली ने वामन को वचन दे डाला। इस तरह भगवान ने दो पग में धरती, आकाश नाम लिया, चौथा पग उन्होंने राजा बलि के सिर पर रखा था। जिसके बाद से राजा बलि को मोक्ष प्राप्त हुआ।

परशुराम अवतार: भगवान विष्ण के छठवें अवतार के रूप में राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र के रूप में जन्में थे। इस अवतार में वह भगवान शिव के परम भक्त थे। इन्हें शिव से विशेष परशु(फरसा) प्राप्त हुआ था। इनका नाम तो राम था, किन्तु शंकर द्वारा प्रदत्त अमोघ परशु को सदैव धारण किये रहने के कारण ये परशुराम कहलाते थे।

श्रीराम अवतार: श्रीहरि ने सातवें अवतार के रूप में श्रीराम के नाम से जन्म लिया। वह अयोध्या में राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र के रूप में जन्मे थे। इस अवतार में वह मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। उन्होंने लंकापति रावण के अलाव कई दैत्यों का अंत किया। श्रीराम की संपूर्ण गाथा वाल्मीकि रामायण में उल्लेखित है।

कृष्ण के गीता के उपदेश अर्जुन के अलावा विश्व में चार और लोग सुन रहे थे

पौराणिक कथा के अनुसार जिस समय भगवान श्री कृष्ण कुरुक्षेत्र की रणभूमि में पार्थ (अर्जुन) को गीता के निष्काम कर्मयोग का उपदेश दे रहे थे उस समय धनुर्धारी अर्जुन के अलावा इस उपदेश को विश्व में चार और लोग सुन रहे थे जिसमें पवन पुत्र हनुमान, महर्षि व्यास के शिष्य तथा धृतराष्ट्र की राजसभा के सम्मानित सदस्य संजय और बर्बरीक शामिल थे। आपको बताते चलें बर्बरीक घटोत्कच और अहिलावती के पुत्र तथा भीम के पोते थे। जब महाभारत का युद्ध चल रहा था उस दौरान उन्हें भगवान श्री कृष्ण से वरदान प्राप्त था कि कौरवों और पाण्डवों के इस भयंकर युद्ध को देख सकते हैं। जब गीता का उपदेश चल रहा उस दौरान पवन पुत्र हनुमान अर्जुन के रथ पर बैठे थे जबकि संजय, धृतराष्ट्र से गीता आख्यान कर रहे थे। धृतराष्ट्र ने पूरी गीता संजय के मुख से सुनी वह वही थी जो कृष्ण उस समय अर्जुन से कह रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण की मंशा थी कि धृतराष्ट्र को भी अपने कर्त्तव्य का ज्ञान हो और एक राजा के रूप में वो भारत को आने वाले विनाश से बचा लें। यही नहीं यही वह चार व्यक्ति थे जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को विश्वरूप के रूप में देखा। दसवें अध्याय के सातवें श्लोक तक भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी विभूति, योगशक्ति तथा उसे जानने के माहात्म्य का संक्षेप में वर्णन किया है। फिर ग्यारहवें श्लोक तक भक्तियोग तथा उसका फ्ल बताया। अर्जुन ने भगवान की स्तुति करके दिव्य विभूतियों तथा योगशक्ति का विस्तृत वर्णन करने के लिए श्री कृष्ण से प्रार्थना की। अपनी दिव्य विभूतियों के बारे में बताने के बाद आखिर में श्री कृष्ण ने योगशक्ति का प्रभाव बताया और समस्त ब्रहमांड को अपने एक अंश से धारण किया हुआ बताकर अध्याय समाप्त किया। यह सुनकर अर्जुन के मन में उस महान स्वरूप को प्रत्यक्ष देखने की इच्छा हुइ तब ग्यारहवें अध्याय के आरम्भ में भगवान श्रीकृष्ण ने विश्वरूप के दर्शन के रूप में अपने को प्रत्यक्ष किया। इसी विराट स्वरूप में समस्त ब्रहमांड को समाहित देख अर्जुन मोह मुक्त हुए तथा युद्ध के विरक्ति भाव से मुक्त होकर महाभारत युद्ध का निष्ठापूर्वक संचालन कर कौरवों पर विजय प्राप्त की।

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले हम भारतीय मुहूर्त जरूर देखते हैं। मुहूर्त देखने का चलन सदियों से चला आ रहा है। यदि आप स्वयं का व्यवसायिक, औद्योगिक या फिर किसी भी तरह की मशीन को स्थापित करना चाहते हैं तो इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं। औद्योगिक मुहूर्त कुटीर, लघु और भारी उद्योगों के शुभारंभ के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा नक्षत्र शुभ माने गए हैं। मशीन स्थापना मुहूर्त सर्वार्थ सिद्धि योग, गुरु पुष्य योग, रवि पुष्य योग और रवि योग में मशीन स्थापना शुभ होता है। इसके अलावा व्यक्ति की चंद्र राशि व गोचर के चंद्रमा को ध्यान में रखते हुए लग्न शुद्धि पर विचार करना चाहिए।

व्यवसायिक मुहूर्त मुहूर्त के मूलभूत सिद्धांत वहीं रहते हैं, जो सदियों से चले आ रहे हैं। मुहूर्त लग्न में चंद्रमा 6,8,12 में नहीं होना चाहिए। यानी अगर सरल शब्दों में कहें तो कोई भी शुभ कार्य करते समय शुभ राशि से गोचर का चंद्रमा 4,8,12 में नहीं होना चाहिए। चैत्र और पौष माह में कार्य वर्जित माने गए हैं। इसलिए वर्जित योगों व भद्रा आदि में कोई शुभ कार्य आरंभ न करें। रिक्ता तिथि यानी 4,9,14 में शुभारंभ नहीं करना चाहिए। मंगलवार और बुधवार छोडकर सभी वार शुभ रहते हैं। लोहा, कोयला और ज्योतिष कार्य शनिवार को भी किया जा सकता है। नई दुकान, शोरूम व कार्यालय खोलने के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, अनुराधा, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद व रेवती नक्षत्र शुभ हैं।

शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसी चीजें हैं जिससे शिवजी अति प्रसन्न होते हैं

शिव, महादेव, भोले शंकर या फिर नीलकंठ। भगवान शिव को न जाने कितने ही नामों से जाना जाता है। भगवान शिव के बारे में कहा जाता है कि वो विनाश के देवता है यानि सृष्टि में जब-जब पाप की अधिकता हो जाती है तो शिव प्रलय लीला द्वारा पुन: संसार का सृजन करते हैं। वहीं भगवान शिव की पसंद की बात करें तो उनकी पसंद अन्य देवताओं से काफी अलग है।

भगवान शिव के एक अन्य रूप 'शिवलिंग' भी कई मायनों में अलग है।शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसे रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है जो भगवान शिव को बहुत पसंद है। शिवलिंग को दूध से स्नान करवाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव को दूध से अभिषेक किया जाना बेहद पसंद है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग को दूध से स्नान क्यों करवाया जाता है। वास्तव में इसके पीछे भी एक कहानी है।

समुद्र मंथन की पूरी कथा विष्णुपुराण और भागवतपुराण में वर्णित है। जिसमें एक कथा मिलती है। इस कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब विष की उत्पत्ति हुई थी तो पूरा संसार इसके तीव्र प्रभाव में आ गया था। जिस कारण सभी लोग भगवान शिव की शरण में आ गए क्योंकि विष की तीव्रता को सहने की ताकत केवल भगवान शिव के पास थी। शिव ने बिना किसी भय के संसार के कल्याण हेतु विष पान कर लिया। विष की तीव्रता इतनी अधिक थी कि भगवान शिव का कंठ नीला हो गया। विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पडने लगा। ऐसे में शिव को शांत करने के जल जाने लगा। की शीलता भी काफी नहीं थी। सभी देवताओं ने उनसे दूध ग्रहण करने का निवेदन किया। लेकिन अपने जीव मात्र की चिंता के स्वभाव के कारण भगवान शिव ने दूध से उनके द्वारा ग्रहण करने की आज्ञा मांगी। स्वभाव से शीतल और निर्मल दूध ने शिव के इस विनम्र निवेदन को तत्काल ही स्वीकार कर लिया। शिव ने दूध को ग्रहण किया जिससे उनकी तीव्रता काफी सीमा तक कम हो गई परंतु उनका कंठ हमेशा के लिए नीला हो गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना कठिन समय में बिना अपनी चिंता किए दूध ने शिव और संसार की सहायता के लिए दूध ने शिव के पेट में जाकर विष की तीव्रता को सहन किया। इसलिए शिव को दूध अत्यधिक प्रिय है। वहीं दूसरी तरफ शिव को सांप भी बहुत प्रिय है क्योंकि सांपों ने विष के प्रभाव को कम करने के लिए विष की तीव्रता स्वंय में समाहित कर ली थी इसलिए अधिकतर सांप बहुत जहरीले होते हैं।

मन का संदेह

एक व्यक्ति की घडी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घडी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कडाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घडी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपडों के साथ अपनी घडी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था।

व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते है।

महाभारत के बाद कैसे खत्म हुआ श्रीकृष्ण सहित पूरा यदुवंश

अठारह दिन चले महाभारत के युद्ध में रक्तपात के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ। इस युद्ध में कौरवों के समस्त कुल का नाश हुआ, साथ ही पाँचों पांडवों को छोडकर पांडव कुल के अधिकाँश लोग मारे गए। लेकिन इस युद्ध के कारण, युद्ध के पश्चात एक और वंश का खात्मा हो गया वो था 'श्री कृष्ण जी का यदुवंश'।

गांधारी ने दिया था यदुवंश के नाश का श्राप : महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद जब युधिष्ठर का राजतिलक हो रहा था तब कौरवों की माता गांधारी ने महाभारत युद्ध के लिए श्रीकृष्ण को दोषी ठहराते हुए श्राप दिया की जिस प्रकार कौरवों के वंश का नाश हुआ है ठीक उसी प्रकार यदुवंश का भी नाश होगा। गांधारी के श्राप से विनाशकाल आने के कारण श्रीकृष्ण द्वारिका लौटकर यदुवंशियों को लेकर प्रयास क्षेत्र में आ गये थे।

यदुवंशी अपने साथ अन्न-भंडार भी ले आये थे। कृष्ण ने ब्राहमणों को अन्नदान देकर यदुवंशियों को मृत्यु का इंतजार करने का आदेश दिया था। कुछ दिनों बाद महाभारत-युद्ध की चर्चा करते हुए सात्यकि और कृतवर्मा में विवाद हो गया। सात्यकि ने गुस्से में आकर कृतवर्मा का सिर काट दिया। इससे उनमें आपसी युद्ध भडक उठा और वे समूहों में विभाजित होकर एक-दूसरे का संहार करने लगे।

इस लडाई में श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न और मित्र सात्यकि समेत सभी यदुवंशी मारे गये थे, केवल बब्रू और दारूक ही बचे रह गये थे। यदुवंश के नाश के बाद कृष्ण के ज्येष्ठ भाई बलराम समुद्र तट पर बैठ गए और एकाग्रचित्त होकर परमात्मा में लीन हो गए। इस प्रकार शेषनाग के अवतार बलरामजी ने देह त्यागी और स्वधाम लौट गए।

बहेलिये का तीर लगने से हुई श्रीकृष्ण की मृत्यु बलराम जी के देह त्यागने के बाद जब एक दिन श्रीकृष्ण जी पीपल के नीचे ध्यान की मुद्रा में बैठे हुए थे, तब उस क्षेत्र में एक जरा नाम का बहेलिया आया हुआ था।

जरा एक शिकारी था और वह हिरण का शिकार करना चाहता था। जरा को दूर से हिरण के मुख के समान श्रीकृष्ण का तलवा दिखाई दिया। बहेलिए ने बिना कोई विचार किए वहीं से एक तीर छोड दिया जो कि श्रीकृष्ण के तलवे में जाकर लगा।

जब वह पास गया तो उसने देखा कि श्रीकृष्ण के पैरों में उसने तीर मार दिया है। इसके बाद उसे बहुत पश्चाताप हुआ और वह क्षमायाचना करने लगा। तब श्रीकृष्ण ने बहेलिए से कहा कि जरा तू डर मत, तूने मेरे मन का काम किया है।

अब तू मेरी आज्ञा से स्वर्गलोक प्राप्त करेगा। बहेलिए के जाने के बाद वहां श्रीकृष्ण का सारथी दारुक पहुंच गया। दारुक को देखकर श्रीकृष्ण ने कहा कि वह द्वारिका जाकर सभी को यह बताए कि पूरा यदुवंश नष्ट हो चुका है और बलराम के साथ कृष्ण भी स्वधाम लौट चुके हैं। अत: सभी लोग द्वारिका छोड दो, क्योंकि यह नगरी अब जल मग्न होने वाली है।

मेरी माता, पिता और सभी प्रियजन इंद्रप्रस्थ को चले जाएं। यह संदेश लेकर दारुक वहां से चला गया। इसके बाद उस क्षेत्र में सभी देवता और स्वर्ग की अप्सराएं, यक्ष, किन्नर, गंधर्व आदि आए और उन्होंने श्रीकृष्ण की आराधना की। आराधना के बाद श्रीकृष्ण ने अपने नेत्र बंद कर लिए और वे सशरीर ही अपने धाम को लौट गए। श्रीमद भागवत के अनुसार जब श्रीकृष्ण और बलराम के स्वधाम गमन की सूचना इनके प्रियजनों तक पहुंची तो उन्होंने भी इस दुख से प्राण त्याग दिए।

देवकी, रोहिणी, वसुदेव, बलरामजी की पत्नियां, श्रीकृष्ण की पटरानियां आदि सभी ने शरीर त्याग दिए। इसके बाद अर्जुन ने यदुवंश के निमित्त पिण्डदान और श्राद्ध आदि संस्कार किए।

इन संस्कारों के बाद यदुवंश के बचे हुए लोगों को लेकर अर्जुन इंद्रप्रस्थ लौट आए। इसके बाद श्रीकृष्ण के निवास स्थान को छोडकर शेष द्वारिका समुद्र में डूब गई। श्रीकृष्ण के स्वधाम लौटने की सूचना पाकर सभी पाण्डवों ने भी हिमालय की ओर यात्रा प्रारंभ कर दी थी।

इसी यात्रा में ही एक-एक करके पांडव भी शरीर का त्याग करते गए। अंत में युधिष्ठिर सशरीर स्वर्ग पहुंचे थे। वानर राज बाली ही था जरा बहेलिया संत लोग यह भी कहते हैं कि प्रभु ने त्रेता में राम के रूप में अवतार लेकर बाली को छुपकर तीर मारा था। कृष्णावतार के समय भगवान ने उसी बाली को जरा नामक बहेलिया बनाया और अपने लिए वैसी ही मृत्यु चुनी, जैसी बाली को दी थी।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज़ हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

अबीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराएं।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

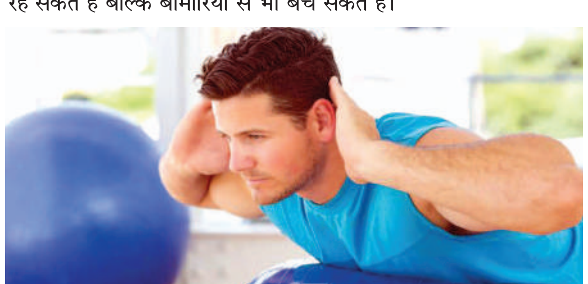

स्क्रब करते समय इन बातों का ध्यान रखें

त्वचा को निखारने के लिए हम कई तरीके प्रयोग करते हैं, इसमें एक है स्क्रब। स्क्रब से चेहरे की डेड स्किन निकल जाती है, और नई त्वचा चेहरे पर आ जाती है। नियमित अंतराल पर स्क्रब करने से चेहरा साफ नजर आता है और दाग धब्बे भी गायब होने लगते हैं। स्क्रब बहुत जोर से तो बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए, इससे त्वचा डैमेज हो सकती है। जैसे हम नए कपड़े लेकर आते हैं और उसका ध्यान बहुत अच्छे से रखते हैं।

धनिया की पत्तियों का सेवन है लाभकारी

धनिया और इसके पत्तों का सेवन कई मायनों में लाभकारी है। धनिया की हरी पत्तियों का लोग भोजन में कई प्रकार से उपयोग करते हैं। साथ ही, घरेलू उपचार के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है। धनिया को ताजे छाछ में मिला कर पीने से बदहजमी, मितली, पेचिश और कोलाइटिस से राहत मिलती है। टायफायड होने की स्थिति में हरी धनिया के पत्तों का सेवन करने से लाभ मिलता है।

विटमिन बी-12

अपनी ओर से हम हमेशा संतुलित और पौष्टिक आहार अपनाने की कोशिश करते हैं। फिर भी आज की अति व्यस्त जीवनशैली की वजह से हमारे खानपान में कोई न कोई ऐसी कमी रह ही जाती है, जिससे सेहत संबंधी कई समस्याएं हमें परेशान करने लगती हैं। वैसे तो सभी विटमिंस और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स हमारी अच्छी सेहत के लिए जरूरी होते हैं, पर विटमिन बी-12 एक ऐसा तत्व है, जिसकी कमी सेहत के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदेह साबित होती है।

क्या काम है इसका

विटमिन बी-12 हमारी कोशिकाओं में पाए जाने वाले जीन डीएनए को बनाने और उनकी मरम्मत में सहायता करता है। यह ब्रेन, स्पाइनल कॉर्ड और नर्व्स के कुछ तत्वों की रचना में भी सहायक होता है। हमारी लाल रक्त कोशिशओं का निर्माण भी इसी से होता है। यह शरीर के सभी हिस्सों के लिए अलग-अलग तरह के प्रोटीन बनाने का भी काम करता है। यह ऐसा विटमिन है, जिसका अवशोषण हमारी आंतों में होता है। वहां लैक्टो बैसिलस मौजूद होते हैं, जो बी-12 के अवशोषण में सहायक होते हैं। फिर यह लिवर में जाकर स्टोर होता है। उसके बाद शरीर के जिन हिस्सों को इसकी जरूरत होती है, लिवर इसे वहां भेजने का काम करता जाता है।

क्यों जरूरी है

वेजिटेरियन

शाकाहारी लोगों को अपने खानपान का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। उनके पास विटमिन बी-12 हासिल करने के स्रोत सीमित संख्या में होते हैं, इसलिए उन्हें दूध, दही, पनीर, चीज, मक्खन, सोया मिल्क या टोफू का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। बी-12 मुख्यतः मिट्टी में पाया जाता है। इसलिए यह जमीन के भीतर उगने वाली सब्जियों जैसे-आलू, गाजर मूली, शलजम, चुकंदर आदि में भी आंशिक रूप से पाया जाता है। इसके अलावा 45 मल्टीग्रेन ब्रेड और वे प्रोटीन पाउडर भी इसके अच्छे स्रोत हैं। यदि एक किलोग्राम आटे में 100 ग्राम व प्रोटीन पाउडर मिला दिया जाए तो इससे व्यक्ति को विटमिन बी-12 का पोषण मिल जाता है।

उपचार एवं बचाव

अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे तो बिना देर किए सीरम विटमिन बी-12 की जांच करवानी चाहिए। अकसर लोग इसके लक्षणों को मामूली थकान या एनीमिया समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, पर ऐसा करना उचित नहीं है क्योंकि आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप धारण कर सकती है। शाकाहारी लोगों को अपने खानपान के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए और उन्हें मिल्क प्रोडक्ट्स का सेवन भरपूर मात्रा में करना चाहिए। आम तौर पर किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में इसकी मात्रा 400-500 पिकोग्राम/मिली लीटर होनी चाहिए। अगर शरीर में इसकी मात्रा इससे कम हो जाए तो व्यक्ति को मिथाइल कोबालामिन नामक टैबलेट या इंजेक्शन दिया जाता है। दवा की मात्रा मर्ज की गंभीरता पर निर्भर करती है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। यह दवा आंतों में मौजूद लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया को सक्रिय करने का काम करती हैं। अगर सही समय पर इसकी पहचान कर ली जाए तो दवाओं और स्वस्थ खानपान से इस समस्या का समाधान हो जाता है।

खानपान में विटमिन बी-12

अकसर यह सवाल उठता है कि हमें अपने खानपान में किन चीजों को शामिल करना चाहिए, ताकि शरीर में विटमिन बी-12 की कमी न हो। यहां वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन लोगों के लिए दी जा रही है, कुछ ऐसी चीजों की सूची, जिनमें विटमिन बी-12 पाया जाता है ।

नॉनवेज

नॉन-वेजटेरियन लोगों को अंडा, मछली, रेड मीट, चिकिन और सी फूड से विटमिन बी-12 भरपूर मात्रा में मिल जाता है, पर इनके ज्यादा सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, जो नुकसानदेह साबित होता है। इसलिए नॉनवेज का सेवन सीमित और संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

नोटः हमें रोजाना औसतन 2.4 माइक्रोग्राम विटमिन बी-12 की जरूरत होती है, जो शाकाहारी लोगों को सामान्यतः 2 ग्लास दूध, 2 कटोरी दही, 100 ग्राम पनीर के अलावा खाने में 4-5 मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटियां, 4-5 मल्टीग्रेन ब्रेड, ओट्स और बिस्किट के सेवन से मिल जाता है। नॉन-वेजटेरियन लोगों को नाश्ते में नियमित रूप से एक उबले अंडे के अलावा लंच और डिनर में चिकेन या फिश के दो पीसेज लेने चाहिए।

क्या है कमी की वजह

- आनुवंशिकता
- आंतों की कोई भी सर्जरी
- क्रोंज्स नामक आंतों की बीमारी, जिसकी वजह से आंतें विटमिन बी-12 का अवशोषण नहीं कर पातीं।
- अगर व्यक्ति को लंबे समय तक एनीमिया की समस्या रही हो तो उसमें भी विटमिन में बी-12 की कमी पाई जा सकती है। इसकी कमी से होने वाली समस्या को मेगालोब्लास्टिक एनीमिया कहा जाता है।
- अगर डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन का लंबे समय तक सेवन किया जाए तो भी आंतों में मौजूद विटमिन बी-12 नष्ट हो जाता है।

इसकी कमी को पहचानें कैसे

अगर शरीर में विटमिन बी-12 की कमी हो तो प्रायः ऐसे लक्षण देखने को मिलते हैं -

- हाथ-पैरों में झनझनाहट और जलन
- याद्दाश्त में कमी
- व्यवहार में अस्थिरता
- अनावश्यक थकान
- डिप्रेशन
- अगर शरीर में विटमिन बी-12 की बहुत ज्यादा कमी हो जाए तो इससे स्पाइनल कॉर्ड के नर्व्स नष्ट होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को पैरालिसिस तक हो सकता है।

याद्दाश्त की रक्षा करेंगे ये वर्कआउट

तेज दिमाग के लिए बेहतर खानपान और एक्सरसाइज दोनों जरूरी होते हैं। दिमाग को स्वस्थ और जवां बनाए रखने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली धमनियों को लचीला बनाए रखने में मदद करती है। ध्यान, प्राणायाम और व्यायाम से तनाव दूर होता है और एकाग्रता बढ़ती है। चुस्त-दुरुस्त शरीर और तेज दिमाग के लिए बेहतर खानपान और एक्सरसाइज जरूरी होते हैं। यही नहीं, कुछ ताज़ा अध्ययनों से पता चला है कि डाइट में बदलाव लाकर, एक्सरसाइज व पजल खेलने से मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित लोग स्वस्थ हो सकते हैं। तो चलिए आज हम कुछ ऐसे ही कुछ एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं, जिनसे मेमोरी बेहतर बनती है।

एरोबिक एक्सरसाइज करें : दिमाग को स्वस्थ और जवां बनाए रखने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज करें। साइकोलॉजी के जानकारों के अनुसार एक्सरसाइज दिमाग को दुरस्त रखती है और याददाश्त को भी रिस्टोर कर सकती है। इससे दिमाग की रक्त आपूर्ती बढ़ती है और वहां ज्यादा पोषण और ऑक्सीजन पहुंच पाता है। एरोबिक्स फिटनेस को बढ़ाती है और अधिक उम्र के मनुष्यों में ब्रेन टिशू लॉस को कम करती है और दिमाग को भी तेज करती है।

बेहतर याददाश्त के लिए स्वस्थ दिल : एक अध्ययन के मुताबिक स्वस्थ दिल के लिए किया जाने वाला वर्कआउट, उम्र बढ़ने के साथ होने वाली याददाश्त हानि से भी बचाता है। अनुसंधानकताओं ने अ नुसंधान के दौरान पाया कि स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली धमनियों को लचीला बनाए रखने में मदद करती है। जिससे बाद के जीवन में संज्ञानात्मक क्षमताएं संरक्षित रहती हैं।

क्या है दिल और दिमाग का संबंध : दरअसल हमारे शरीर की धमनियां उम्र के साथ सख्त होती जाती हैं। अतः दिमाग तक रक्त पहुंचाने से पहले दिल तक जाने वाली महाधमनी तक रक्त पहुंचाने वाली नलिका भी कठोर होने लगती है। अनुसंधानकर्ता के अनुसार जिन वयस्कों की महाधमनियां बेहतर स्थिति में होती है और जो शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं अनका दिमाग और याददश्त भी बेहतर होते हैं। अध्ययन मुख्य रूप से इस बात की ओर इशारा करते हैं कि जितनी जल्दी लोग जीवनशैली में बदलाव लाएंगे, उन्हें बुढ़ापे में दिमाग से जुड़ी बीमारी डिमेंशिया होने की संभावना भी काफी हद तक कम होगी। डिमेंशिया से लाखों लोग बच सकते हैं बशर्ते कि वे प्रतिदिन शारीरिक रूप से सक्रिय रहें, और शरीर व दिमाग़ तरोताजा और हेल्दी बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में एक्सरसाइज करें।

भ्रामरी प्राणायाम : ध्यान, प्राणायाम और व्यायाम से तनाव दूर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, एकाग्रता बढ़ती है और मस्तिष्को को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, रक्त और पोषक तत्व मिल जाते हैं। इन सबसे याददाश्त बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम याददाश्त के लिए अच्छा होता है। इसे करने से ऐसे हार्मोस निकलते हैं जो मस्तिष्क को शांत करते हैं।

उष्ट्रासन : उष्ट्रासन का अभ्यास करने पर रीढ़ से होकर गुजरने वाली स्त्रायु कोशिकाओं में तनाव पैदा होता है जिससे उनमें खून का संचार बढ़ जाता है और याददाश्त बेहतर होने लगती है। रोज़ाना तीन मिनट तक लगातार उष्ट्रासन करने से काफी फायदा होता है।

आपकी त्वचा के लिए अमृत है पानी

पानी न केवल आपके शरीर के सभी अंगों को सही प्रकार कार्य करने में मदद करता है, बल्कि साथ ही साथ यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

हाईड्रेशन

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इससे पाचन क्रिया अच्छी रहती है, संचार सुचारू रहता है और अन्य कई स्वास्थ्य परेशानियों से भी हमारा बचाव होता है। लेकिन, क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि पानी हमारी त्वचा के लिए भी जरूरी होता है। आपके लिए इससे जुड़े कुछ सवालों के जवाब लेकर आए हैं। हम आपको बताऐंगे कि कैसे अपने शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी रखा जाए, ताकि त्वचा सुंदर और स्वस्थ बनी रहे।

सारा दिन कम होता है पानी

हमें दिन भर नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। आखिर हमारे शरीर से लगातार पानी कम होता रहता है। यहां एक बात जानना और जरूरी है कि हम जो भी पानी पीते हैं वह त्वचा तक पहुंचने से पहले हमारे शरीर के अन्य अंगों तक पहुंच जाता है। तो, ऐसे में त्वचा का बाहर से खयाल रखना भी जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन है खतरनाक

अगर त्वचा में पानी की अधिक कमी हो जाए, तो इससे वह रूखी, सख्त और पपड़ीदार हो जाती है। रूखी त्वचा पर झुर्रियां और अन्य प्रकार के नुकसान होने की आशंका अधिक होती है। तो, अपनी त्वचा को किसी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

त्वचा को भी चाहिए पानी

शरीर के अन्य अंगों की तरह हमारी त्वचा को भी पानी की जरूरत होती है। हमारी त्वचा पानी से बनी कोशिकाओं से निर्मित होती है। शरीर के अन्य अंगों की तरह, हमारी त्वचा को भी सही प्रकार से काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है।

मॉश्चराइजर

अपनी त्वचा में नमी का जरूरी स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है कि रोज रात को मॉश्चराइजर लगाकर सोएं। इससे आपकी त्वचा को अच्छा पोषण मिलेगा। केमिकल उत्पादों के उपयोग से बचें। स्वस्थ त्वचा के लिए कुदरती उत्पादों का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

एक्सफोइलेट और हाइड्रेट

आपको अपनी त्वचा को सिर्फ हाइड्रेट करने की ही जरूरत नहीं होती, बल्कि उसका रुखापन भी दूर करने की जरूरत होती है। साथ ही साथ आपको मृत कोशिकाओं को हटाना भी होता है। आप अपनी त्वचा पर मॉश्चराइजर लगाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन और क्रेक कम हो सकते हैं। अपनी त्वचा को स्वस्थ बनाये रखने के लिए इस क्रिया को नियमित रूप से दोहराया जाना जरूरी है।

पोषण दें

रोजाना खूब पानी पिएं। इससे आपकी त्वचा में पानी की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही आपको अपने आहार में भी बदलाव करने की जरूरत है। इसके लिए आपको खूब फल और सब्जियां खाने की जरूरत है। इससे आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलेगा। प्रोसेस्ड और तैलीय भोजन का सेवन न करें। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा नहीं है।

रूखी त्वचा का रखें ख्याल

अपनी त्वचा के रूखे हिस्सों पर आपको अधिक मेहनत करने की जरूरत होती है। अगर आपको एहसास हो कि आपकी त्वचा रूखी और खुजली वाली हो गयी है, तो उस पर आइंटमेंट अथवा क्रीम जरूर लगाएं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन दूर होगा। पानी की पर्याप्त मात्रा और त्वचा की सही देखभाल से आप अपनी त्वचा को सुरक्षित और स्वस्थ रख सकते हैं।

रेसिपी

ओपन बीन बर्गर

सामग्री

टॉपिंग के लिएः 3/4 कप बेक्ड बीन्स, 1 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्खन, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून टमॅटो कैचप, 3/4 कप पकाई हुई स्पैगेटी, नमक स्वादअनुसार, 2 बर्गर बन्स, पिघला हुआ मक्खन , **लगाने के लिएः** 4 टेबल-स्पून व्हाईट सॉस, 4 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़

विधि

टॉपिंग के लिएः एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्ख़न गरम करें, प्याज़ और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। बेक्ड बीन्स् और टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। स्पैगटी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। टॉपिंग को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधीः** ब्रेड बन्स् को 2 तिरछे भाग में काट लें। प्रत्येक ब्रेड बन के बीच के भाग को निकाल लें और प्रत्येक आधे भाग पर थोड़ा पिघला हुआ मक्ख़न लगाऐं। ब्रेड के आधे टुकड़ो को चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रखकर, पहले से गरम अवन में 200°c (400°f) के तापमान पर 10 मिनट तक बेक कर लें। बर्गर बन को टॉपिंग के एक भाग से भरकर, 1 टेबल-स्पून व्हाईट सॉस डालकर अंत में 1 टेबल-स्पून चीज़ छिड़के। विधी क्रमांक 4 को दोहराकर 3 और ओपन बर्गर बना लें। तुरंत परोसें।

क्रिमी टमेटो स्पैगटी

सामग्री

1/2 कप फ्रेश क्रीम, 1 कप हल्के उबले और कटे हुए टमाटर, 1/2 कप सन-ड्राईड टमेटोज, 7 से 8 किलो चैरी टमाटर, 3 कप पकाई हुई स्पैगटी, 1 टेबल-स्पून जैतून का तेल, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, 4 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़, ताजी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **सजाने के लिएः** 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़, **परोसने के लिएः** गार्लिक ब्रेड

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। चिली फ्लैक्स, टमाटर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। सन-ड्राईड टमेटोज़, चैरी टमाटर, चीज़, फ्रेश क्रीम, स्पैगटी और काली मिर्च पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट के लिए पका लें। चीज़ से सजाकर गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशे की डोज जुटाने के लिये कुछ छात्र व युवा अपराध की राहों में फिसल जाते हैं। इसलिये जरूरी हो जाता है कि नियमित रूप से नशा तस्करों और ड्रग पेडलरों की गिरफ्तारी करके तुरंत सजा दी जाए। वहीं दूसरी ओर नशे की खरीद-फरोख्त में संलिप्तता पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने, पासपोर्ट निरस्त करने से भी जहरीले कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। साथ ही सीमावर्ती संवेदनशील राज्यों में, जहां सीमा पार से नशे की तस्करी आतंकवाद को जिंदा रखने के लिये की जा रही है, वहां अतिरिक्त सावधानी की भी जरूरत है। नशा तस्करों की गिरफ्तारी के तुरंत बाद सजा देना, इस अभियान में मददगार साबित होगा।

देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं।

व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि

सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है। यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है। तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है। इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है। सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा।

नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है।

देश दुनिया से

भारतीय भूमि अतिक्रमण मुद्दे पर घिरे बालेन्द्र

गत 27 मार्च को पद संभालने के बाद से प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने एक बार भी संघीय संसद को संबोधित नहीं किया था—यहां तक कि अनिवार्य साप्ताहिक प्रश्न-उत्तर सत्रों के दौरान भी नहीं। उनकी चुप्पी तोड़ने और विधायिका के प्रति जवाबदेही दिखाने का दबाव उन पर लगातार बढ़ रहा था। और फिर रविवार को जब बालेन्द्र शाह संसद में बोले, सभी सन्नाटे में आ चुके थे। उन्होंने अपने आलोचकों को शांत करने के बजाय, मानो डंक मारने वाली मधुमक्खियों का एक झुंड ही छोड़ दिया। जिसे अंग्रेजी में 'पैंडोरा बॉक्स खोलना' कहते हैं। संसद में दो अलग-अलग सवालों का जवाब देते हुए, शाह ने सबसे पहले कहा कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद को सुलझाने के लिए भारत के साथ प्रयास जारी हैं। लेकिन, फिर उन्होंने यह भी जोड़ा कि न केवल भारत ने नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की ज़मीन पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि भारत के साथ मौजूदा सीमा विवादों में से कई की जड़ें 1816 में ब्रिटिश भारत के साथ हुई सुगौली संधि में हैं, इसलिए उनकी सरकार भारत-नेपाल सीमा चर्चाओं में ब्रिटिश पक्ष को शामिल करने की कोशिश कर रही है। काठमांडू पोस्ट जैसा अखबार भी इस बयान से हैरान था। अगले दिन के सम्पादकीय में अखबार लिखता है— 'सीमा विशेषज्ञों के साथ-साथ उन वरिष्ठ पूर्व सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जिन्होंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत की है, ऐसा कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है, जिसमें भारत ने कभी 'नेपाली अतिक्रमण' का मुद्दा उठाया हो। इसलिए, प्रधानमंत्री का यह बयान भविष्य की सीमा वार्ता में भारत के पक्ष को मज़बूत करता है।' कोई राष्ट्रीय अख़बार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करे, तो यह उभयपक्षीय हितों के लिए अच्छा नहीं है। भारत से यदि भूमि विवाद नहीं होता, तो 'बाउंडरी वर्किंग ग्रुप' का गठन क्यों किया गया? संयुक्त तकनीकी समिति ने लगभग 26 वर्षों तक कार्य किया। यह दावा किया गया कि सीमा संबंधी 97 प्रतिशत समस्याओं का समाधान कर लिया गया। शेष तीन प्रतिशत का समाधान करना उनकी क्षमता से परे था। उसमें कालापानी-

लिम्पियाधुरा शामिल है—जो 370 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल के साथ सबसे बड़ा अतिक्रमण है; इसके अलावा 24 किलोमीटर का सुस्ता क्षेत्र और लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्रफल वाले अन्य स्थान भी इसमें हैं। कुल मिलाकर, ऐसे लगभग 71 स्थान हैं जो 606 वर्ग किलोमीटर का कुल क्षेत्रफल घेरते हैं। इस स्थिति के बने रहने के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक, सीमांकन के लिए पुराने मानचित्रों और दस्तावेजों की अनुपलब्धता है। काश! काठमांडू पोस्ट ने बुद्धि नारायण श्रेष्ठ की पुस्तक 'द नेचुरल एनवायरनमेंट्स एंड द शिफ्टिंग बॉर्डर्स ऑफ नेपाल' में बर्नार्डो माइकल द्वारा की गई टिप्पणी पर ग़ौर किया होता, 'आज भी, भारत और नेपाल के बीच सीमा विवादों की उपस्थिति यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि आधुनिक सीमाओं के निर्धारण की यह परियोजना सदैव एक 'अधूरी परियोजना' ही बनी रहेगी।' नेपाल के लिए मुश्किल यह है कि लिपुलेख के मुद्दे पर चीन उसके साथ नहीं खड़ा है। लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन भारत का है, उसकी पुष्टि 15 मई, 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन की राजकीय यात्रा के दौरान हुआ व्यापार समझौता है। यह भारत और चीन के बीच एक द्विपक्षीय समझौता था, जिस पर चीनी प्रधानमंत्री ली कछियांग के साथ पीएम मोदी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें औपचारिक रूप से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पर सहमति बनी थी। 41-सूत्री संयुक्त बयान के बिंदु 28 में लिपुलेख दर्रे (कियांगला) को औपचारिक रूप से एक द्विपक्षीय सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा मार्ग के रूप में मान्यता दी गई थी। तब नेपाली कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री सुशील कोइराला ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, कि भारत और चीन ने उसकी सहमति के बिना, उसके दावे वाले क्षेत्र से होकर व्यापार करने पर बातचीत की है। बाद के दिनों में नेपाल के तीन प्रधानमंत्रियों केपी शर्मा ओली, प्रचंड और शेर बहादुर देउबा ने लिपुलेख-लिम्पियाधुरा के बॉल को जमकर खेला। बालेन्द्र शाह से पहले पीएम ओली इस मुद्दे को उठाने 3 सितम्बर, 2025 को पेइचिंग में आहूत थिएनमान चौक विजय दिवस समारोह तक गए लेकिन, चीनी सत्ता प्रतिष्ठान ने उसे अनसुना कर दिया। चीन और भारत तय कर चुके थे कि लिपुलेख-लिम्पियाधुरा ट्राइजंक्शन के बरास्ते जून, 2026 में उभयपक्षीय व्यापार होना है। बहरहाल, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया है। अब तक नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान संसद में नहीं दिया था कि भारतीय भूमि को उनके देश ने भी क़ब्ज़ा कर रखा है। बालेन्द्र शाह को अब बताना है, कि नेपाल ने किन-किन जगहों पर भारतीय भूमि का हरण किया है। कई सांसद यह चाह रहे हैं कि संसद के रिकार्ड से यह बयान स्पन्ज़ किया जाये। लेकिन, जुबान से निकली बात और कमान से छूटे तीर की वापसी नहीं हो सकती। नेपाली मीडिया भी हतप्रभ है। नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट प्रधानमंत्री शाह के बयान को अपरिपक्व मानते हुए लिखता है, 'अगर उन्होंने 'अतिक्रमण' शब्द के बजाय 'सीमा-पार के कब्ज़े' शब्द का इस्तेमाल किया होता, तो कोई विवाद नहीं होता। दूसरा, नेपाल और भारत के बीच उभयपक्षीय मामले में ब्रिटेन को शामिल करने की इच्छा भी गलत है। भारत ने बार-बार कहा है कि वह बाउंडरी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष को कभी नहीं कबूल करेगा, चाहे वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश या नेपाल के साथ हो।'

कुछ अलग

पीएं पिलाएं, डिसेंट्री भगाएं

बंधुओ! जैसा कि मुझे मीडिया की खबरों से अभी अभी पता चला है कि इस वक्त लोक से लेकर परलोक गर्मी की भयंकर समस्या से जूझ रहा है। लेकिन इस विकट परिस्थिति में भी घबराएं मत! हर विकट परिस्थिति की तरह इस बार भी पूरी की पूरी सरकार आपके साथ है। सरकार जिधर भी देख रही है, उसके लोकवासी लू से परेशान हैं। लेकिन खुशी की बात है कि अब मेरे लोकवासी हर परेशानी का हिम्मत से सामना करना सीख गए हैं। उन्हें पता है कि इस लोक में समस्याएं अब आम हैं। वह समस्या चाहे पुल गिरने की हो, बढ़ती बेरोजगारी की हो, बढ़ती महंगाई की हो या फिर पेपर लीक होने की। पुल गिरने पर चर्चा तो अगला पुल गिरने पर भी हो जाएगी। पेपर लीक पर चर्चा तो अगला पेपर लीक होने पर भी हो जाएगी। महंगाई पर चर्चा तो रोज रोज होती ही रहती है। इसलिए इस वक्त की गर्मी में गर्मी पर चर्चा के सिवाय किसी और पर चर्चा करना उचित नहीं। क्योंकि यह फिर साल बाद आएगी। गर्मी में गर्मी पर चर्चा करने के बदले पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई पर चर्चा न करना विपक्ष की भाषा में लोकमानस को मूल मुद्दों से भटकाना मत समझिएगा। मित्रो! परेशानियों को इग्नोर करना परेशानियों पर विजय प्राप्त करने का अचूक अस्त्र है। जब कोई किसी को दिन-रात परेशान करता रहे, तब यही बेहतर होता है कि वह उसके बारे में सोचना बंद कर दे। जब हम हमें परेशान करने वाले के बारे में सोचेंगे ही नहीं तो वह हमें खाक परेशान करेगा? उल्टा सोचता रहेगा कि हद है यार! मैं इस बंदे को इतना परेशान कर रहा हूं और एक ये बंदा है कि मेरे द्वारा खड़ी की परेशानियों से तनिक भी परेशान नहीं हो रहा। ये आदमी है या गधा!

आप का नज़रिया

किससे तुलना करें तुम्हारी?

बेशक आरसीबी को लगातार, दोबारा आईपीएल चैंपियन बनाने में 'विराट किंग' कोहली का सर्वश्रेष्ठ योगदान रहा है। विराट रिटायरमेंट की दहलीज के भीतर आ चुके हैं। टेस्ट और 'ताबड़तोड़' टी-20 क्रिकेट से वह संन्यास ले चुके हैं। वह उम्र के ऐसे पड़ाव पर आ चुके हैं, जहां गेंद और बल्ले के समन्वय धुंधलाने लगते हैं। शॉट्स गलत साबित होने लगते हैं। विराट ने इन विरोधाभासों और अवरोधों को पछाड़ते, नकारते हुए आईपीएल, 2026 में 675 रन ठोंके हैं। एक शतक और पांच अद्र्धशतक तथा 56 से अधिक का औसत...! निश्चित ही वह 'विराट' और अतुलनीय हैं, लेकिन यह टूर्नामेंट एक 15-वर्षीय किशोर बल्लेबाज की विस्फोटकता की चर्चा के बिना अधूरा ही रहेगा। वह अद्भुत बालक है-वैभव सूर्यवंशी। वास्तव में वैभव ही आईपीएल, 2026 के 'उन्नायक खिलाड़ी' हैं। उन्हें टूर्नामेंट का 'बेशकीमती खिलाड़ी' (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट), सबसे उभरता हुआ खिलाड़ी, दिग्गज खिलाडियों की मौजूदगी के बावजूद 72 छक्कों का 'किंग', सबसे जानदार, शानदार, झन्नाटेदार स्ट्राइक रेट, 'ओरेंज कैप' विजेता (आश्चर्यजनक 776 रन), जिसमें एक शतक के अलावा 97, 96 रनों की दो पारियां भी शामिल हैं, उन्हें घोषित किया गया। सम्मान में कुल 3.10 करोड़ रुपए दिए गए। टाटा सिएरा कार भी मिली। यह राशि तब बनी है, जब वैभव की अनुबंध राशि 1.10 करोड़ रुपए और प्रति मैच फीस 7 लाख रुपए थी। अगले साल उनकी आईपीएल कीमत क्या होगी, आप कल्पना कर सकते हैं। 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन की टिप्पणी सटीक और सार्थक है कि इस उम्र में वह कंचे, गुल्ली-डंडा जैसे खेल भी अच्छी तरह नहीं खेल पाते थे। यह सार्वभौमिक सत्य लगता है, क्योंकि हमने मंसूर अली खां पटौदी, सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, सहवाग, रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव से लेकर मौजूदा दौर के युवा छक्केबाजों का खेल निरंतर देखा है। यकीनन सभी मूल्यवान, अतुलनीय खिलाड़ी रहे हैं और आज भी हैं, लेकिन 15 साल का वैभव वाकई 'अद्वितीय' है। क्या आईपीएल के एक सत्र में 72 छक्कों की कल्पना की गई थी? वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 59 छक्के 'चुनौतीहीन' लगते थे और गेल एक अनुभवी बल्लेबाज भी थे, लेकिन 15 साल की उम्र और 145, 150 किमी. की गति वाली, तूफानी गेंदबाजों की, गेंदों पर एक बालक के धुआंधार छक्के....वाकई करिश्मा लगता है! सचमुच 'अकल्पनीय' है यह! किसने गढ़ा है इस 'धुरंधर' बल्लेबाज को..? आखिर उसकी तुलना किस महान खिलाड़ी से करें? क्रिकेट में छक्कों के विश्व चैंपियन रोहित शर्मा हैं। आंकड़ों में वह भी इस 'बालक छक्केबाज' से पीछे हैं। बहरहाल कुदरत ने कुछ खेल-प्रतिभाएं, कुछ सनसनीखेज खिलाड़ी, भारत की झोली में बख्शे हैं। वे सभी हमारी धरोहरें हैं, कीर्तिमान हैं, देश की आन-बान-शान हैं। इन्हें सहेज कर रखना है और वैश्विक स्तर पर तराशते रहना है। आजकल विश्व शतरंज में दिव्या देशमुख, विश्व चैंपियन गुकेश, चैंपियनों को धूल चटाने वाले प्रज्ञाननंदा, युवा सनसनी चिदंबरम की खूब चर्चा है। उन्होंने भारत को, खासकर तमिलनाडु को, शतरंज का गढ़ बना दिया है। उनके अलावा 100 मीटर दौड़ में धावक गुरिंदरवीर सिंह ने महानतम मिल्खा सिंह की स्मृतियां ताजा कर दीं। उन्हें 'भारत का बोल्ट' कहा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने यह दौड़ मात्र 10 सेकंड्स में पूरी की। बैडमिंटन में साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, महानतम प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, किदांबी श्रीकांत की नई पीढ़ी में आयुष शेट्टी, दिव्या, उन्नति हुड्डा, मालविका सरीखे नवोदित चैंपियन सामने आए हैं। हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती आदि खेलों में कई नए चेहरे, नए चैंपियन पहलवान आज हमारी 'सांस्कृतिक संपदा' हैं। वैभव भी इसी जमात के क्रिकेटर हैं। होनहार खिलाडियों की सूची बहुत लंबी है, लिहाजा सभी का नाम देना संभव नहीं है, लेकिन यह देश के लिए चुनौती भी है। भारत अंतरराष्ट्रीय, खासकर ओलिंपिक खेलों में, बहुत पिछड़ा देश रहा है।

विराट रिटायरमेंट की दहलीज के भीतर आ चुके हैं। टेस्ट और 'ताबड़तोड़' टी-20 क्रिकेट से वह संन्यास ले चुके हैं। वह उम्र के ऐसे पड़ाव पर आ चुके हैं, जहां गेंद और बल्ले के समन्वय धुंधलाने लगते हैं। शॉट्स गलत साबित होने लगते हैं। विराट ने इन विरोधाभासों और अवरोधों को पछाड़ते, नकारते हुए आईपीएल, 2026 में 675 रन ठोंके हैं। एक शतक और पांच अद्र्धशतक तथा 56 से अधिक का औसत...! निश्चित ही वह 'विराट' और अतुलनीय हैं, लेकिन यह टूर्नामेंट एक 15-वर्षीय किशोर बल्लेबाज की विस्फोटकता की चर्चा के बिना अधूरा ही रहेगा। वह अद्भुत बालक है-वैभव सूर्यवंशी। वास्तव में वैभव ही आईपीएल, 2026 के 'उन्नायक खिलाड़ी' हैं। उन्हें टूर्नामेंट का 'बेशकीमती खिलाड़ी' (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट), सबसे उभरता हुआ खिलाड़ी, दिग्गज खिलाडियों की मौजूदगी के बावजूद 72 छक्कों का 'किंग', सबसे जानदार, शानदार, झन्नाटेदार स्ट्राइक रेट, 'ओरेंज कैप' विजेता (आश्चर्यजनक 776 रन), जिसमें एक शतक के अलावा 97, 96 रनों की दो पारियां भी शामिल हैं, उन्हें घोषित किया गया। सम्मान में कुल 3.10 करोड़ रुपए दिए गए। टाटा सिएरा कार भी मिली।

दृष्टि कोण

पति-पत्नी के बीच टकराव क्यों?

अनेक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ पतियों द्वारा पत्नी को नियंत्रित करने या उन पर अनुचित रोक-टोक लगाने की कोशिश अक्सर रिश्ते में तनाव, असुरक्षा और अलगाव का कारण बन रही है। यह एक सामाजिक चिंतन का विषय है। पतियों द्वारा पत्नी को कंट्रोल करने के दृष्टिकोण और इसके परिणामों को मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण से देखना महत्त्वपूर्ण है। देखने में आ रहा है कि कई बार पति जाने-अनजाने में या जानबूझकर पत्नी को ज्यादा नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। जैसे कि पत्नी के व्यक्तिगत फैसलों, करियर या कपड़ों पर अनुचित रोक-टोक लगाना। पत्नी को घर के खर्च या उसकी अपनी कमाई पर निर्णय न लेने देना। पत्नी को अपने परिवार, मायके या दोस्तों से मिलने से रोकना। पत्नी के फोन, सोशल मीडिया या दिनचर्या पर बेवजह नजर रखना। डार्क मनोविज्ञान के अनुसार अगर पति ये सोचे कि वो अपनी बीवी को बेडियों में जकड़ सकता है तो ये ठीक नहीं है। सनद रहे कि पति-पत्नी जिंदगी की गाड़ी के दो पहिए होते हैं। अगर एक भी कमजोर पड़ा तो गाड़ी बेकार हो जाती है। वहीं आज का समय तो ऐसा है कि पति-पत्नी, दोनों को ही साथ मिलकर चलना होता है। ऐसे में अगर पति ये सोचे कि वो अपनी बीवी को बेडियों में जकड़ सकता है तो ये पूरी तरह से गलत है। अपनी पत्नी पर नामुनासिब रोक-टोक करने से पति सिर्फ और सिर्फ अपना नुकसान करेंगे। अगर एक पति होने के नाते आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आप अपने कंट्रोलिंग नेचर को कैसे काबू में करें, तो आपको गंभीरता से सोचना चाहिए। अगर आप चाहते हैं कि आपकी शादीशुदा जिंदगी अच्छे से चलती रहे तो आपको ये समझने की जरूरत है कि अगर आप अपनी पत्नी को कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे तो आपका रिश्ता खराब हो सकता है। बेहतर है कि आप पत्नी को वैचारिक तौर पर फ्री छोड़ें ताकि आपका रिश्ता खुलकर सांस ले सके। महिला स्वाभिमान का प्रश्न है। यह आपको इस बात का ख्याल रखना है कि आपकी पत्नी का भी किसी बात पर अपना विचार हो सकता है। ऐसे में

उसकी कही गई किसी भी बात को नजरअंदाज करने की बजाय उनकी बात को ध्यान से सुनें। उन्हें ये एहसास कराएं कि उनका किसी भी बात में अपनी बात रखना उतना ही जरूरी है जितना आपका पति होने के कारण है। कुछ पतियों को लगता है कि पत्नी के आत्मनिर्भर या अधिक स्वतंत्र होने से उनका वर्चस्व कम हो जाएगा। पितृसत्तात्मक सोच के कारण कुछ पुरुष यह मान लेते हैं कि पत्नी पर उनका अधिकार है। याद रहे पत्नी पति की खरीदी हुई संपत्ति तो नहीं होती, न ही पति कोई किसी रजिया सुल्तान का गुलाम होता है। बातचीत की कमी और एक-दूसरे के विचारों को न समझ पाना भी एक बड़ी समस्या है। पत्नी को नियंत्रित करने की कोशिश करने से वैवाहिक बंधन कमजोर हो जाता है और पति को नियंत्रित करना भी घर में अशांति, मानसिक तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा कर देता है। इसका खुशनुमा हल यह है कि समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझाएं और एक-दूसरे की बात सुनें। क्या गलत है, पति-पत्नी एक-दूसरे के व्यक्तिगत स्पेस और स्वतंत्रता का सम्मान करें। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मर्द ही औरतों को कंट्रोल करके रखना चाहते हैं, आजकल महिलाओं में भी ऐसा बर्ताव देखने को मिल रहा है। मनोविज्ञान कहता है कि पति को कंट्रोल करके रखने वाली पत्नियां तर्क-वितर्क में बेहद तेज होती हैं। मतलब उनसे बहसबाजी में जीत पाना मुश्किल होता है। वो कहीं न कहीं से कोई बात निकालकर खुद को सही और आपको गलत साबित करके ही दम लेती हैं। अगर ऐसा है, तो समझ जाएं कि पत्नी आपको नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

आस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 41 रन से हराया, तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर

लाहौर

आस्ट्रेलिया ने मंगलवार रात लाहौर में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1–1 से बराबरी कर ली। धीमी और कम उछाल वाली पिच पर तेज गेंदबाज नाथन एलिस की घातक गेंदबाजी ने मैच का रुख आस्ट्रेलिया के पक्ष में मोड़ दिया। एलिस ने चार विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही। एलेक्स कैरी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद मैथ्यू शार्ट और मार्नस लाबुशेन भी जल्दी पवेलियन लौट गए, जिससे टीम 51 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में आ गई। इसके बाद जोश इंग्लिस और कैमरून ग्रीन ने पारी संभाली। दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को स्थिरता दी। इंग्लिस ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 51 रन बनाए, जबकि ग्रीन ने संयमित अंदाज में 53 रन जोड़े। मध्यक्रम में मैट रेनशा और ओलिवर पीक ने भी अहम योगदान दिया। अंतिम ओवर में पीक के चौके और छक्के की मदद से आस्ट्रेलिया 50 ओवर में 231/9 तक पहुंचने में सफल रहा। 232 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी बेहद खराब रही। माज़ सदाकत पहली ही ओवर में बोल्ड हो गए। इसके बाद साहिबजादा फरहान, बाबर आजम और सलमान आगा भी जल्दी आउट हो गए।नाथन एलिस, मैथ्यू शार्ट और एडम ज़म्पा की सटीक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान का शीर्ष क्रम पूरी तरह बिखर गया और टीम 78 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हालांकि इसके बाद शादाब खान ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी की। उन्होंने अराफात मिन्हास के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी कर मुकाबले में जान फूंकी। शादाब ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए और टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की। शाहीन अफरीदी ने भी कुछ तेज रन बनाए लेकिन जैसे ही शाहीन आउट हुए, पाकिस्तान की उम्मीदें खत्म हो गईं। नाथन एलिस ने वापसी करते हुए अपना चौथा विकेट हासिल किया और अंत में तनवीर संघा ने शादाब का विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी समाप्त कर दी।

संक्षिप्त स्कोर:

आस्ट्रेलिया – 231/9 (50 ओवर) — कैमरून ग्रीन 53, जोश इंग्लिस 51; शाहीन अफरीदी 3/36, अराफात मिन्हास 2/27

पाकिस्तान – 190 (44.1 ओवर) — शादाब खान 71; नाथन एलिस 4/33, मैथ्यू शार्ट 3/36

परिणाम: आस्ट्रेलिया 41 रन से विजयी।

न्यूज़ ब्रीफ

मुंबई टी20 लीग : अर्जुन तेंदुलकर ने आलराउंड प्रदर्शन कर अपनी, टीम को जीत दिलायी

मुम्बई। यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी। जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली।

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

सेन डियागो। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबाल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबाल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबालर ने साल 2002 और 2006 में पांच–पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये। ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

अपने डेब्यू मैच में ही स्काटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकार्ड

लंदन। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्काटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकार्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह–छह विकेट लिए थे। ये रिकार्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकार्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम के खिलाफ घरेलू सीरीज का कार्यक्रम घोषित किया, 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक खेले जाएंगे मुकाबले

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इस साल के अंत में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरे पर पहुंचेगी जहां उसे पांच टी20, पांच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलेगी। इस प्रकार कुल 12 मुकाबले पांच अलग–अलग स्थलों पर खेले जाएंगे, जिसकी शुरुआत 22 अक्टूबर से होगी और यह 1 दिसंबर तक चलेगी। यह पहली बार होगा जब न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम अपनी धरती पर भारत के खिलाफ एक साथ तीन अलग–अलग प्रारूपों में 12 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम साल 2019 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज के लिए पहुंचेगी। साल 2022 के बाद यह भारतीय टीम का पहला सीमित ओवरों का दौरा होगा। भारतीय टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत में पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैव खेलेगी। पहला टी20 मुकाबला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा टी20 भी 24 अक्टूबर को उसी मैदान पर खेला जाएगा। वहीं सीरीज का तीसरा मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में और चौथा टी20 30 अक्टूबर को आकलैंड में, और पांचवां व अंतिम टी20 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। टी20 सीरीज के बाद, दोनों टीमें पांच मैचों की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को आकलैंड में खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। तीसरा मैच 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। अंतिम दो एकदिवसीय मुकाबले माउंट माउंगानुई में 13 नवंबर और 15 नवंबर को खेले जाएंगे।वहीं अंत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में खेला जाएगा, जो दोनों टीमों के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में आयोजित होगा, जिसके साथ भारत का यह दौरा समाप्त होगा। भारत के खिलाफ इस सीरीज के अलावा, न्यूजीलैंड कीवी टीम घरेलू मैदान पर श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ भी सीरीज की मेजबानी करेगी, और जनवरी के अंत व फरवरी की शुरुआत में अपने घरेलू सत्र का समापन करेगी।

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडिमय में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

फीफा विश्व कप 2026: बेल्जियम ने अभ्यास मैच में क्रोएशिया को 2-0 से हराया

रियेका

लुकाकू ने बेल्जियम के लिए दागा 90वां गोल

फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मंगलवार को खेले गए मैत्री अभ्यास मैच में बेल्जियम ने मेजबान क्रोएशिया को 2–0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में बेल्जियम के स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू ने राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए अपना रिकार्ड 90वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। यह पिछले 12 महीनों में बेल्जियम के लिए उनका पहला मैच था। बेल्जियम को शुरुआती बढ़त कप्तान यूरी टिलेमांस ने दिलाई। 38वें मिनट में क्रोएशिया की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने नजदीक से गोल दागा। यह मूव जेरेमी डोकू के शानदार आक्रमण के बाद बना। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई बदलाव किए। बेल्जियम ने आठ खिलाड़ियों को मैदान में उतारा, जबकि क्रोएशिया ने 10 बदलाव किए। लुकाकू को अंतिम 18 मिनट के लिए मैदान पर भेजा गया और उन्होंने मुकाबले की आखिरी कोशिश में तेज़ शाट लगाकर गोल कर दिया। 33 वर्षीय लुकाकू क्लब स्तर पर नापोली के साथ निराशाजनक सीजन के बाद वापसी कर रहे हैं। पूरे सीजन में वह शुरुआती एकादश में जगह नहीं बना सके और हैमस्ट्रिंग चोट से भी जूझते रहे। बेल्जियम के हांस वानाकेन ने भी दूसरे हाफ में हेडर लगाया, लेकिन गेंद क्रासबार से टकरा गई। वहीं क्रोएशिया के आंते बुदिमिर और लुका मोड्रिच मौके नहीं भुना सके। अब क्रोएशिया अपना अगला अभ्यास मैच स्लोवेनिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाफ खेलेगा, जबकि बेल्जियम का सामना ट्यूनीशिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम से होगा। विश्व कप में बेल्जियम अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को मिस्र के खिलाफ करेगा, जबकि क्रोएशिया 17 जून को इंग्लैंड राष्ट्रीय फुटबाल टीम से भिड़ेगा।

नार्वे शतरंज 2026: प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को हराकर खिताबी दौड़ में बनाए रखी उम्मीदें

नई दिल्ली। ओस्लो में जारी नार्वे शतरंज 2026 के आठवें दौर में भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराकर खिताब की दौड़ को और रोमांचक बना दिया। यह इस टूर्नामेंट में दूसरी बार है जब प्रज्ञानानंद ने कार्लसन को मात दी है। इससे पहले भी उन्होंने चौथे दौर में कार्लसन को हराया था। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंद के अब 12 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। प्रतियोगिता में अब केवल दो दौर शेष हैं और भारतीय खिलाड़ी शीर्ष स्थान से सिर्फ दो अंक पीछे हैं। अमेरिका के वेस्ली सो 14 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि फ्रांस के अलीरजा फिरोज़जा 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं ओपन वर्ग में भारत के दूसरे खिलाड़ी डी. गुकेश को इस दौर में अलीरजा फिरोज़जा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गुकेश फिलहाल 8 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं, जबकि कार्लसन उनसे केवल एक अंक आगे हैं।

अंडर-18 एशिया कप 2026: भारत ने सिंगापुर को 25-0 से रौंदा

भारतीय टीम ने पूल-ए में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली

भारतीय महिला अंडर-18 हाकी टीम ने महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 में अपने अंतिम पूल-ए मुकाबले में सिंगापुर को 25-0 से हराकर दमदार प्रदर्शन किया। जापान के काकामिगाहारा में खेली गई इस एकतरफा जीत के साथ भारत ने ग्रुप चरण का समापन तीनों मैच जीतकर किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

भारतीय टीम के लिए नौशीन नाज़ सबसे बड़ी स्टार रहीं। उन्होंने शानदार सात गोल दागे (8, 13, 17, 18, 40, 52, 58)। वहीं प्लेयर आफ द मैच चुनी गई गीताश्री नम्मी ने पांच गोल किए (13, 28, 47, 48, 60)। कप्तान स्वीटी कुजूर ने चार गोल (2, 24, 38, 45) कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा प्रियंका मिंज ने हैट्रिक लगाई (22, 37, 53), दीया (27), नैन्सी सरोहा (36), श्रुति कुमारी (40), पुष्पा मांझी (47), रश्मीन कौर (47) और संदीपा कुमारी (51) ने भी गोल दागकर जीत को ऐतिहासिक बना दिया। भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दूसरे मिनट में कप्तान स्वीटी ने पहला गोल किया। इसके बाद नौशीन और गीताश्री ने लगातार हमले करते हुए सिंगापुर की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा जारी रहा और हाफ टाइम तक टीम ने बड़ा अंतर बना लिया। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने गोलों की झड़ी लगाते हुए मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। भारत ने इससे पहले मलेशिया, कोरिया और सिंगापुर को हराया और नौ अंकों के साथ पूल–ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब टीम के सेमीफाइनल प्रतिद्वंद्वी का फैसला पूल–बी के मुकाबलों के बाद होगा।

इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टी 20 में 6 विकेट से हराया, श्रृंखला 2-1 से जीती

टानटन

एलिस कैप्सी और हीदर नाइट की बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार देर रात (भारतीय समयानुसार बुधवार) को भारत को अंतिम टी20 मुकाबले में 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2–1 से अपने नाम कर ली। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने शुरुआती झटकों के बाद शानदार वापसी की और 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। दूसरे ही ओवर में डैनी वायट–हाज आउट हो गईं, जबकि सोफिया डंकली भी जल्दी पवेलियन लौट गईं। पावरप्ले के अंतिम ओवर में एमी जोन्स का विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड दबाव में दिख रहा था।

हालांकि इसके बाद एलिस कैप्सी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों पर लगातार हमला बोला और केवल 26 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर कप्तान हीदर नाइट ने संयम के साथ पारी को संभाला और धीरे–धीरे रन गति बढ़ाई।

दोनों बल्लेबाजों के बीच शतकीय साझेदारी ने भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। कैप्सी ने 82 रन की शानदार पारी खेली, जबकि नाइट 70 रन बनाकर नाबाद लौटीं। अंत में नाइट ने चौके के साथ इंग्लैंड को जीत दिलाई।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 180 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो गईं।

इसके बाद यास्तिका भाटिया ने तेज बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में रन गति बनाए रखी। उन्होंने आकर्षक शाट्स लगाए लेकिन रन आउट होकर पवेलियन लौट गईं।

मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिम्मेदारी संभाली और नाबाद 56 रन बनाए। हालांकि अंतिम पांच ओवरों में भारतीय टीम केवल 48 रन ही जोड़ सकी, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ।

इंग्लैंड की ओर से लारेन बेल ने महत्वपूर्ण दो विकेट लिए।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत महिला: 180/5 (20 ओवर) — हरमनप्रीत कौर 56* , यास्तिका भाटिया 32; लारेन बेल 2/36

इंग्लैंड महिला: 184/4 (18.3 ओवर) — एलिस कैप्सी 82, हीदर नाइट 70*; अरुंधति रेड्डी 2/31

परिणाम: इंग्लैंड महिला 6 विकेट से विजेता।

एसबीआई, इंडियन बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा की आकर्षक योजनाएं

शेयर बाजार, सोना और चांदी में उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित निवेश का बढ़ा आकर्षण, वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की उथल-पुथल के बीच निवेशक एक सुरक्षित ठिकाने की तलाश में हैं, जहां उनकी पूंजी सुरक्षित रहे और उन्हें निश्चित रिटर्न मिल सके। इक्विटी बाजार पिछले एक साल में 7 फीसदी से अधिक गिर चुका है, जबकि सोना और चांदी भी भारी उतार-चढ़ाव देख रहे हैं। ऐसे में फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) एक आकर्षक और जोखिम-मुक्त विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है, जो मौजूदा समय में 2.5 से 8 फीसदी तक का गारंटीड रिटर्न प्रदान कर रहा है। बैंक कई आकर्षक एफडी योजनाएं पेश कर रहे हैं, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए, जो उन्हें उच्च ब्याज दरों का लाभ उठाने का अवसर दे रही हैं। मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में जहां एक ओर महंगाई और भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर इक्विटी और कमोडिटी बाजारों में अप्रत्याशित अस्थिरता ने निवेशकों को परेशान कर रखा है। इस माहौल में अपनी पूंजी को सुरक्षित रखने और उस पर निश्चित रिटर्न पाने की इच्छा रखने वाले निवेशकों के लिए फिक्स्ड डिपाजिट एक विश्वसनीय विकल्प बन गया है। कुछ प्रमुख बैंक विशेष अवधि वाली एफडी योजनाओं पर आकर्षक ब्याज दरें प्रदान कर रहे हैं, जिससे यह निवेश का एक शानदार विकल्प बन गया है।

प्रमुख एफडी योजनाएं (444 दिन की अवधि- 1. एसबीआई अमृत वृष्टि: इस योजना के तहत ग्राहक 444 दिनों के लिए 1,000 से 3 करोड़ रुपए तक का निवेश कर सकते हैं। सामान्य नागरिकों को 6.45 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 6.95 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष से अधिक) को 7.05 फीसदी तक ब्याज मिल रहा है। हालांकि, समय से पहले निकासी पर 5 लाख तक की एफडी पर 0.5 फीसदी और उससे अधिक पर 1 फीसदी पेनाल्टी लागू होगी। यह मासिक, तिमाही और छमाही मैच्योरिटी के विकल्प प्रदान करती है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष एफडी योजनाएं: स्टेट बैंक आफ इंडिया ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए वी केयर डिपाजिट स्कीम भी शुरू की है, जिसमें 5 साल और 10 साल तक की अवधि वाली एफडी पर 50 बेसिस पाइंट अधिक ब्याज मिलता है। इंडियन बैंक, बैंक आफ बड़ौदा और आईसीआईसीआई बैंक जैसे अन्य बैंक भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष एफडी योजनाएं पेश कर रहे हैं, जो उन्हें उच्च रिटर्न सुनिश्चित करती हैं।

इंडियन बैंक आईएनडी सिक्योर एफडी: 444 दिनों की इस योजना में भी 1,000 से 3 करोड़ रुपए तक का निवेश किया जा सकता है। यह सामान्य नागरिकों को 6.60 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.10 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन को सर्वाधिक 7.35 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा की किफायती कारें है 360 डिग्री कैमरा से लैस

नई दिल्ली। ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां अब बजट कारों में भी 360 डिग्री कैमरा की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। कारों में यह फीचर ड्राइविंग को सुरक्षित और आसान बनाता है, खासकर पार्किंग, रिवर्सिंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन चलाते समय। हाल ही में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक टियागो में 360 डिग्री कैमरा शामिल कर इसे इस सुविधा वाली देश की सबसे सस्ती कारों में शामिल कर दिया है। टाटा टियागो की कीमत 6.99 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके क्रिएटिव वेरिएंट से 360 डिग्री कैमरा मिलता है। इसके बाद टाटा पंच का नाम आता है, जिसकी शुरुआती कीमत 7.65 लाख रुपये है। इसमें एडवेंचर वेरिएंट से यह सुविधा उपलब्ध है। पंच का कैमरा सिस्टम शहरों में आसान ड्राइविंग और पार्किंग के लिए उपयोगी माना जाता है। टाटा टिगोर भी इस सूची में शामिल है। इसकी कीमत 7.83 लाख रुपये से शुरू होती है और टाप वेरिएंट एक्सजेड प्लस लक्स में 360 डिग्री कैमरा दिया गया है। वहीं टाटा अल्ट्रोज के क्रिएटिव वेरिएंट में एचडी 360 डिग्री कैमरा उपलब्ध कराया गया है। इसकी कीमत 8.02 लाख रुपये से शुरू होती है और बेहतर कैमरा क्वालिटी इसकी खासियत मानी जा रही है। सूची में पांचवां स्थान सिट्रोएन सी3 का है, जिसकी शुरुआती कीमत 8.03 लाख रुपये है। इसके एक्स शाइन वेरिएंट में अतिरिक्त भुगतान पर 360 डिग्री कैमरा लगाया जा सकता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने लॉन्च की देश की पहली डी+ एसयूवी एमजी मैजेस्टर

हैदराबाद :

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने ऑटोमोबाइल मार्केट में बड़ा धमाका करते हुए अपनी बहुप्रतीक्षित और भारत की पहली डी+ एसयूवी मएमजी मैजेस्टर को आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। यह शानदार एसयूवी उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है जो अपनी गाड़ी से दमदार रोड प्रेजेंस, बेहतरीन इंजीनियरिंग और हर तरह के रास्तों पर चलने की बेजोड़ क्षमता चाहते हैं।

कंपनी ने इस प्रीमियम एसयूवी को आकर्षक कीमत के साथ बाजार में उतारा है:

एमजी मैजेस्टर 4/2 ऑटोमैटिक टॉप ट्रिम: 40.99 लाख (6 और 7-सीटर विकल्प में उपलब्ध)

एमजी मैजेस्टर 4/4 ऑटोमैटिक टॉप ट्रिम: 44.99 लाख (केवल 7-सीटर विकल्प में उपलब्ध)

एमजी मैजेस्टर भारत की पहली डी+ एसयूवी के रूप में हमारे पोर्टफोलियो में एक दमदार इज़ाफा है। यह परफॉर्मेंस, प्रीमियम कम्फर्ट, एडवांस टेक्नोलॉजी और बेहतरीन रिलायबिलिटी (भरोसेमंद क्षमता) का एक अनूठा संगम है। अपने बेजोड़ आकार, ऑफ-रोड मास्टरी और कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स के साथ, मैजेस्टर भारतीय एसयूवी बाजार में नए मानक स्थापित करेगी।

सच्ची एसयूवी वाली परफॉर्मेंस देने के लिए मैजेस्टर में ट्विन-टर्बो डीजल इंजन दिया गया है, जो अपने सेगमेंट

में सबसे बेहतरीन 215.5 झड की पावर और 478.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है, जो 2डब्ल्यूडी और एडवांस 4डब्ल्यूडी दोनों विकल्पों में उपलब्ध है। इंटेलिजेंट 4डब्ल्यूडी सिस्टम: इसमें 10 ऑफ-रोड मोड्स मिलते हैं। ऑटो मोड में गाड़ी सामान्य परिस्थितियों में 2डब्ल्यूडी पर चलती है, लेकिन सड़क पर पकड़ कम होते ही यह तुरंत 4डब्ल्यूडी पर स्विच हो जाती है0जो बारिश, बर्फ या फिसलन भरी सड़कों के लिए बेहद सुरक्षित है।

सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स: यह अपने सेगमेंट की पहली डणत है जिसमें फ्रंट, रियर और सेंटर डिफरेंशियल लॉक्स दिए गए हैं।

टफ टेरेन रेडी: 219 ा का बेहतरीन ग्राउंड क्लीयरेंस, 810 ा वाटर वेडिंग क्षमता (पानी में चलने की क्षमता) और क्रॉल कंट्रोल मोड के साथ यह किसी भी मुश्किल रास्ते को आसानी से पार कर सकती है।

आकार के मामले में मैजेस्टर का कोई मुकाबला नहीं है। इसका व्हीलबेस 2950 एम एम है, जबकि इसकी लंबाई 5046 एम एम, चौड़ाई 2016 एम एम और ऊंचाई 1870 एम एम है। लुक्स की बात करें तो इसमें मोज़ेक मैट्रिक्स ग्रिल, ड्रैगन आइज डीआरएल, ट्राई-बीम हेडलैंप्स, कनेक्टेड एलईडी टेल लैंप्स, ऊंचा हुड और 19-इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसे बेहद मस्कुलर और प्रीमियम लुक देते हैं।

गाड़ी के अंदर ब्लैक-थीम वाला एक लग्जरी केबिन मिलता है जो प्रीमियम फीचर्स से लैस है:

आराम: वेंटिलेटेड और मसाज फंक्शन वाली लेदर सीट्स (12-वे एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, 8-वे पैसेंजर सीट), पैनोरमिक सनरूफ, 64-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और थ्री-ज़ोन एसीआई

टेक्नोलॉजी: डुअल 12.3-इंच डिस्प्ले, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो/एप्पल कारप्ले, 12 गइङ सराउंड-साउंड स्पीकर्स, डुअल वायरलेस चार्जर्स, 220वी आउटलेट और 75+ आईस्मार्ट कनेक्टेड फीचर्स।

सुरक्षा के लिहाज से एमजी मैजेस्टर को बेहद मजबूत बनाया गया है। इसमें लेवल 2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) दिया गया है, जो असिस्टेड स्टीयरिंग, ब्रेकिंग और एक्सीलरेशन की सुविधा देता है। इसके अलावा, सुरक्षित ड्राइविंग के लिए इसमें 360ओ एचडी कैमरा, एबीएस, ईबीडी, टीसीएस, आरएमआई और ईएसपी जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं। यह गाड़ी चार आकर्षक रंगों - पर्ल व्हाइट, कंक्रीट ग्रे, मेटल ब्लैक और मेटल एश में उपलब्ध होगी।

आवासीय विकास परियोजना के लिए रणनीतिक बैठक संपन्न, बनेगा नया लैंडमार्क

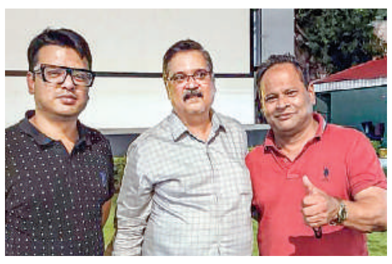

हैदराबाद: प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित जमींदार परिवार सुल्तान परिवार के स्वामित्व वाली मलकपेट स्थित एक प्रमुख आवासीय भूमि के विकास को लेकर हाल ही में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई।

यह उच्च स्तरीय बैठक हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित प्रतिष्ठित फिल्म नगर कल्चरल सेंटर में संपन्न हुई। इस बैठक में राजेश्वरी एसवी बिल्डर एंड डेवलपर्सफ के संस्थापक और प्रोप्राइटर श्री कोटि विवेक राव तथा मस्नैप्स इंडियाफ के संपादक एवं सुल्तान परिवार के सदस्य अता उर रहमान के मुख्य सलाहकार मोहम्मद शम्सुद्दीन मुख्य रूप से शामिल हुए।

बैठक के दौरान मलकपेट की इस संपत्ति के भविष्य के विकास और इसकी व्यवहार्यता पर बेहद विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्रोजेक्ट की प्लानिंग, आर्किटेक्चरल कॉन्सेप्ट, विकास की संभावनाएं, मार्केट पोजिशनिंग और रणनीतिक साझेदारी के अवसरों जैसे प्रमुख विषयों पर मंथन किया गया। दोनों पक्षों का मुख्य उद्देश्य हैदराबाद के इस क्षेत्र में एक बेहतरीन और ऐतिहासिक (लैंडमार्क) आवासीय परियोजना का निर्माण करना है।

चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने एक साझा दृष्टिकोण व्यक्त किया। उनका उद्देश्य एक ऐसा उच्च गुणवत्ता वाला आधुनिक आवासीय समुदाय विकसित करना है, जो आधुनिक बुनियादी ढांचे और समकालीन जीवन शैली के मानकों को पूरा करता हो, और साथ ही इस भूमि से जुड़ी ऐतिहासिक विरासत और सुल्तान परिवार की साख को भी संजोए रखे।

यह बैठक बेहद सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई, जिसमें आने वाले महीनों में परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक मूल्यांकन करने तथा दोनों पक्षों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसरों को तलाशने पर सहमति बनी।

हैदराबाद की रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र में मराजेश्वरी एसवी बिल्डर एंड डेवलपर्सफ एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम है। तीन से अधिक दशकों (30 साल) के समृद्ध अनुभव के साथ कंपनी ने कई शानदार आवासीय, वाणिज्यिक और संस्थागत परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। निर्माण क्षेत्र में यह कंपनी अपनी गुण-वत्ता, पारदर्शिता, नवाचार, ईमानदारी और पर्यावरण के अनुकूल विकास प्रथाओं के लिए विशेष रूप से जानी जाती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मौत की...

पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। लवकेश बजाज की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ तेज कर दी गई है। जांच एजेंसियां अब होटल से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी और कथित लापरवाही के लिए आखिर कौन-कौन जिम्मेदार है। दिल्ली के हालिया इतिहास के सबसे भयावह अग्निकांडों में शामिल इस हादसे ने होटल सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस जल्द ही अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है।

अग्रवाल परिवार...

इस त्रासदी का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि राधेश्याम अग्रवाल को शायद अभी तक इस बात की जानकारी भी नहीं है कि उनकी पत्नी, बेटा, बहू और दोनों पोतियां अब इस दुनिया में नहीं रहे। मैक्स अस्पताल में मौजूद परिवार के अन्य सदस्य और रिश्तेदार गहरे सदमे में हैं।

परिवार पर दुखों का पहाड़ यहीं नहीं रुका। तरजनी अग्रवाल के मायके पक्ष से तीन रिश्तेदार राजस्थान से दिल्ली आए थे। वो राधेश्याम अग्रवाल का हालचाल जानने और उनसे मिलने पहुंचे थे। लेकिन दुर्भाग्य से वो भी उसी होटल में ठहरे हुए थे और आग की इस भयावह घटना में उनकी भी मौत हो गई। इस तरह अग्रवाल परिवार और उसके करीबी रिश्तेदारों के कुल आठ लोगों की जान चली गई।

तरजनी अग्रवाल के मामा अजय गुप्ता ने परिवार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सभी लोग राधेश्याम अग्रवाल के इलाज के दौरान उनके साथ रहने और देखभाल के उद्देश्य से दिल्ली आए थे। किसी ने नहीं सोचा था कि यह यात्रा इतनी दर्दनाक साबित होगी।

बेहद सज्जन और मिलनसार थे विवेक अग्रवाल

विवेक अग्रवाल के पड़ोसियों ने बताया कि वह बेहद सज्जन और मिलनसार व्यक्ति थे। वह अपने परिवार और बुजुर्ग पिता का पूरा ख्याल रखते थे। पड़ोसियों के अनुसार विवेक अपने पिता से मिलने और उनकी देखभाल के लिए ही दिल्ली आए थे।

बच्चों की छुट्टियां होने के कारण परिवार अपनी दोनों बेटियों को भी साथ लेकर आया था। लेकिन यह पारिवारिक यात्रा एक ऐसी त्रासदी में बदल गई जिसने पूरे परिवार को हमेशा के लिए बिखेर दिया। हौज रानी की यह आग अग्रवाल परिवार के लिए ऐसा दर्द छोड़ गई है जिसे शायद कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

नेतन्याहू पर...

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया है कि ईरान ऐसे किसी भी प्रयास को रोक दे जिससे परमाणु हथियार हासिल करने की राह खुलती हो, ट्रंप ने यह भी कहा कि तेल और प्राकृतिक गैस की ढुलाई के लिए होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोल दिया जाना चाहिए।

ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि यह (लेबर डे तक) बंद रह सकता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मुझे लगता है कि हम इसे सुलझा लेंगे। मुझे लगता है कि यह मामला काफी जल्दी सुलझ जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जिन्होंने अपने दिवंगत पिता की जगह ली है, युद्ध खत्म करने के लिए चल रही शांति वार्ता में शामिल हैं।ट्रंप ने कहा कि एक हवाई हमले में लगी चोटों की वजह से खामेनेई की हालत ठीक नहीं है, लेकिन लोग कहते हैं कि वह मंजूरी दे रहे हैं, क्योंकि बहुत लंबे समय से ऐसा ही होता आया है। मार्च के आखिर में जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था, तब हवाई हमलों के दौरान खामेनेई के पिता मारे गए थे।

बंगाल में...

इसके बाद लगभग 4 बजे स्पीकर ने ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस की चाबी सौंप दी। इससे पहले तक नेता प्रतिपक्ष का ऑफिस बंद पड़ा था क्योंकि टीएमसी द्वारा पहले दी गई चिट्ठी में जहां शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने की बात थी वो हस्ताक्षर में गड़बड़ी की वजह से खटाई में जा चुकी थी और सीआईडी जांच भी शुरू हो चुकी थी। इसके बाद ऋतब्रत बनर्जी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ममता बनर्जी अब भी उनकी नेता है वो चाहते हैं कि ममता उनको मान्यता दें और उनको मार्गदर्शन भी दें।

ममता का धर्मसंकट

ऐसे में ममता बनर्जी के लिए धर्मसंकट की स्थिति पैदा हो गई है। दरअसल बागी विधायकों में से कई ने साफ़ कह दिया है कि वे अभिषेक बनर्जी को अपना नेता नहीं मानते। सबसे दिलचस्प तो ये है कि इन 59 विधायकों में से बहुतेरे ऐसे हैं जिनको अभिषेक बनर्जी ने इस बार के विधानसभा चुनाव में सीटिंग एमएलए को हटा कर टिकट दिया था। ऐसे में ममता बनर्जी अपने भतीजे को चुनेंगी या बागी नेताओं को ये उनके लिए चुनौती है।

असली तृणमूल कौन?

अगर ऐसा होता है तो मअसली तृणमूल कांग्रेसफ का प्रतिनिधित्व कौन करता है, इस बात पर लड़ाई शुरू हो सकती है। तब मुख्य सवाल यह होगा 0असली तृणमूल कांग्रेस कौन है? ऐसे हालात में इतना साफ हो चुका है कि ममता के खून पसीने से बनी तृणमूल अब ममता के हाथ से बिल्कुल निकल चुकी है। अब रहे उनके 42 सांसद जिनमें से केवल 6 सांसद ही कल धर्मतल्ला इलाके में उनके धरने में शामिल होने पहुंचे थे। काकोली घोष दस्तीदार ने पहले ही बगावत कर दी है और ऐसी अटकलें हैं कि कई सांसद भी बगावत की तैयारी में जुटे हैं। इन सब हालात में अब ममता के लिए पार्टी को बचाना बेहद मुश्किल लग रहा है और खेला होबे का नारा लगाने वाली ममता के साथ चुनाव हारने के एक महीने के भीतर खेला हो चुका है।

इत्तेफाक मुलाक़ात...

मारपीट और लोगों के गुस्से का शिकार हो रहे हैं तो दूसरी तरफ एक-एक कर विधायक और सांसद पार्टी की बैठकों से दूरी बना रहे हैं। इसी बीच, शपथ ग्रहण के बाद बतौर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने 22 मई को दिल्ली का पहला दौरा किया। दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात से पहले वो बंग भवन गए। दिल्ली में पश्चिम बंगाल सरकार का भवन है, जहां अक्सर विधायक, अफसर रुकते हैं। और वो इत्तेफाक यहीं होता है जिसका असर आज बंगाल की राजनीति में दिख रहा है। यहां बंग भवन के गलियारे में शुभेंदु की मुलाकात टीएमसी से विधायक बने ऋतब्रत बनर्जी के साथ होती है।

बंग भवन में 40 सेकंड की बातचीत

बंग भवन में सीएम शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात का पूरा विवरण खुद ऋतब्रत बनर्जी ने ही दिया था। उलुबेरिया पूर्व के विधायक ने कहा 0मैं जब वहां था तो अचानक देखता हूं आवाज आती है 0क्या विधायक साहब, बंग भवन में रुके हैं? जब मैंने देखा तो पाया कि वहां राज्य के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने मुझे नमस्कार किया, मैंने भी उन्हें इसका उत्तर दिया। इसके बाद मैंने कहा कि नहीं दादा, मैं अपना बंगला खाली करने आया हूं, जो संसद की बाकी प्रक्रिया है पूरी करने आया हूं। फिर सीएम ने कहा कि मैं प्रशासनिक बैठकों में सभी विरोधी विधायकों को भी बुला रहा हूं, आप भी बैठक में आइएगा। फिर मैंने भी कहा कि सूचना मिलने पर जरूर आऊंगा। हमारी 40 सेकंड की बातचीत हुई।इसके बाद लोग कह रहे हैं कि मैं दिल्ली सीएम से मुलाकात करने आया हूं। पर ऐसा नहीं है। वो सीएम के तौर पर सदन के नेता हैं, वो नमस्कार करते हैं तो मैं मुंह फेर कर नहीं जा सकता।

दिल्ली में उस मुलाकात के बाद ही उनके बीजेपी के करीब आने की अफवाहों को हवा मिल गई थी। पर उन्होंने इसे तुरंत इनकार कर दिया था। कुछ दिन के भीतर ही आज वो 60 विधायकों के साथ अलग होकर बंगाल में लीडर ऑफ अपोजिशन (एलओपी) बन रहे हैं।

और इससे ये भी साबित होता है कि राजनीति में ऐसे मइत्तेफाकफ कभी भी बिना रणनीति के नहीं होते।

कॉलेज में ...

मंगलवार को छात्रसंघ कक्ष की सफाई शुरू कराई, जहां से चौंकाने वाले खुलासे सामने आए।

सफाई के दौरान छात्रसंघ कक्ष में रखी एक पुरानी लकड़ी की अलमारी से दो बड़े बक्से बरामद हुए। इनमें 100 और 500 रुपये के नोटों की गड्डियां भरी हुई थीं। कॉलेज प्रशासन के अनुसार नकदी की कुल राशि करीब एक करोड़ रुपये है। हालांकि, नकदी का एक बड़ा हिस्सा दीमक लगने से खराब हो चुका था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रकम लंबे समय से वहां रखी हुई थी। भाजपा ने आरोप लगाया है कि यह पैसा कॉलेज में दाखिले के दौरान होने वाली कथित अनियमितताओं और अवैध वसूली से जुड़ा हो सकता है।

नकदी मिलने के बाद कॉलेज परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान कॉलेज परिसर के भीतर दो बेडरूम भी मिले। इन कमरों में एयर कंडीशनर, अटैच टॉयलेट, बिस्तर, महंगे गद्दे और तकिए मौजूद थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इन कमरों का उद्घाटन पूर्व तृणमूल सरकार के दौरान टेरेस फैसिलिटी के रूप में किया गया था।

कॉलेज प्रशासन ने आरोप लगाया कि इन कमरों का उपयोग तृणमूल के प्रभावशाली नेता देवाशीष बंद्योपाध्याय उर्फ कानकाटा देबू और उनके पुत्र शिवाशीष द्वारा किया जाता था। आरोप यह भी है कि कॉलेज के कर्मचारियों से इन नेताओं की मालिश तक कराई जाती थी। हालांकि देवाशीष बंद्योपाध्याय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें ऐसे किसी बेडरूम की जानकारी नहीं है।

और खुलासों की आशंका

विशेषज्ञों का मानना है कि सुरेंद्रनाथ कॉलेज में हुई यह बरामदगी केवल शुरुआत हो सकती है। राज्य सरकार द्वारा छात्रसंघ निधियों के ऑडिट के आदेश के बाद अन्य कॉलेजों में भी ऐसे ही मामलों के सामने आने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल नकदी, रिवॉल्वर और अन्य सामान की बरामदगी को लेकर जांच जारी है और पूरे मामले ने पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था तथा छात्र राजनीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संविधान हाथ...

कार्य समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार देश के सबसे अमीर नेताओं में हैं। उनके पास 1413 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट, खनन, होटल कारोबारी हैं। इतनी संपत्ति के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में एक टोयोटा क्वालिस कार दर्ज है। 263 करोड़ का कर्ज भी है।

1962 में बेंगलुरु के पास कनकपुरा में जन्मे डीके वोक्कालिगा समुदाय से हैं। वह कनकपुरा से ही विधायक हैं। कांग्रेस में उनकी पहचान ऐसे नेता की है जो पार्टी विधायकों को टूटने से बचाते हैं। किसी भी बड़े ऑपरेशन, चुनाव मैनेजमेंट, प्रचार या गुप्त रणनीतियों के लिए जिस वित्तीय और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट की जरूरत होती है, उसे वे बखूबी मैनेज कर लेते हैं।

डीके पर 19 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। ईडी उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो केस में जांच कर रही है। 2017 में आयकर विभाग के छापे में इनके घर 8.5 करोड़ रुपए मिले थे। इसी केस में वह 2019 में गिरफ्तार हुए। उन्हें 50 दिन तिहाड़ में बिताने पड़े थे। सीबीआई आय से ज्यादा संपत्ति के एक मामले में जांच कर रही है।

सिद्धारमैया के कार्यकाल के ढाई साल पूरे हो गए थे

कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनकर उभरे। इसे देखते हुए फॉर्मूला निकाला गया कि दोनों ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनेंगे। नवंबर 2025 में सिद्धारमैया के ढाई साल पूरे हो गए, लेकिन वे तब भी सीएम बने रहने पर अड़े रहे।

कर्नाटक कांग्रेस से जुड़े सोर्स के मुताबिक तय फॉर्मूले के हिसाब से दिसंबर 2025 से शिवकुमार को उच् पद संभालना था, लेकिन राहुल गांधी समेत पार्टी के सभी सीनियर लीडर केरल में चुनावों की तैयारियों में व्यस्त थे, इसलिए तब ये बदलाव नहीं हो सका।

कांग्रेस में बड़े...

खरगे और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ बैठक हो चुकी है। बतौर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के कार्यकाल का यह आखिरी बड़ा फेरबदल होगा।

कांग्रेस का फोकस उन राज्यों पर है जहां अगले साल की शुरुआत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। अगले साल की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने हैं। वहीं, अगले साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव होंगे। पंजाब को छोड़ सभी राज्यों में कांग्रेस का सीधा मुकाबला बीजेपी से है। हिमाचल में कांग्रेस खुद सत्ता में है।

कांग्रेस आलाकमान पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष बदलने पर विचार कर रहा है। भले ही पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल बार-बार दावा कर रहे हैं कि कोई बदलाव नहीं होगा लेकिन प्रदेश अध्यक्ष राजा बराड़ और विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा दोनों एक जाति (जट सिख) हैं। ऐसे में बदलाव करना पार्टी की मजबूरी है। अगले प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर विजय इंदर सिंगला का नाम सबसे आगे है जो राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के सह कोषाध्यक्ष हैं। सिंगला पंजाब में कांग्रेस का महिंदू चेहराफ हैं। वहीं दलितों को साधने के नाम पर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं का एक बड़ा धड़ा पूर्व सीएम और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की पैरवी कर रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 04 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मछली प्रसादम सेवा शिविर की तैयारियों को लेकर अग्रवाल समाज की बैठक सम्पन्न

8 से 9 जून तक नुमाइश मैदान में संचालित होगा सेवा शिविर

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक मछली प्रसादम सेवा शिविर की तैयारियों को लेकर समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर में आयोजित की गई। बैठक समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

समाज के मीडिया एवं प्रेस विज्ञप्ति चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में समाज की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों से आग्रह किया गया कि समाज द्वारा भेजे गए प्रपत्र (फॉर्म) के अनुसार अपनी-अपनी शाखाओं के लिए वीआईपी पास समाज कार्यालय से प्राप्त कर लें। बैठक में यह भी बताया गया कि जिन शाखाओं के सदस्य समाज द्वारा स्थापित सेवा शिविर में स्वैच्छिक सेवा (वॉलंटरी सर्विस) देना चाहते हैं, वे अपने नाम, मोबाइल नंबर एवं फोटो निर्धारित प्रपत्र के साथ समाज कार्यालय में श्रीमती शीतल अग्रवाल के पास जमा कराएं।

अधिक जानकारी के लिए समाज की मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन से मोबाइल नंबर 9952968363 पर संपर्क किया जा सकता है। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा मछली प्रसादम के अवसर पर एक्ज़िबिशन ग्राउंड में विशाल सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। मछली प्रसाद ग्रहण करने आने वाले श्रद्धालुओं एवं जनसामान्य के लिए शिविर में अल्पाहार, भोजन एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाएगी।

यह सेवा शिविर 8 जून को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होकर 9 जून को सायं 6 बजे तक निरंतर संचालित रहेगा।

शिविर का उद्घाटन तथा महाराजा अग्रसेन जी की पूजा 8 जून को रात्रि 8:30 बजे संपन्न होगी।

बैठक में सभी शाखाओं के सदस्यों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर सेवा कार्यों में योगदान देने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया गया। शिविर में अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों का प्रदर्शन एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी किया जाएगा।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, कार्यक्रम चेयरमैन मुन्नालाल अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), विशेष अतिथि सुरेश कुमार सिंघल, गोपाल मोर, अशोक कुमार केडिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित थे।

मानव सेवा का यह अभियान समाज में नई मिसाल कायम कर रहा है : सुरेंद्र अग्रवाल

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्यों एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर जरूरतमंद लोगों की सेवा की। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा चलाया जा रहा मानव सेवा का यह अभियान समाज में नई मिसाल कायम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों और जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से समय निकालकर जरूरतमंद लोगों की सेवा में जुटे हुए हैं, जो वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायक है।

सुरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है। हमारे धर्मग्रंथों में भी अन्नदान को सर्वोत्तम दान बताया गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं बल्कि एक महान मानवीय दायित्व भी है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ वर्षों से निरंतर अन्नदान, सामाजिक सहयोग और मानव सेवा के विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने का प्रयास करते हैं, जिससे समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। सुरेंद्र अग्रवाल ने उपस्थित सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में सेवा के लिए कुछ समय अवश्य निकालना चाहिए। समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। उपस्थित लोगों ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गजराज श्रीमाल, पाबूराम पीपावत, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, मनीष चिंडालिया, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, महेश गुप्ता, गोपाल गोयल, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रविंद्र शर्मा एवं सुरेश सिंघल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अग्रकुल महिला शाखा द्वारा श्री विष्णु-लक्ष्मी श्री यंत्र कुमकुम पूजा 9 को

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रकुल महिला शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती किरण अग्रवाल के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में अधिक मास के पावन अवसर पर आयोजित किए जाने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शाखा द्वारा 9 जून को राघव रत्ना टावर्स में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ श्री विष्णु-लक्ष्मी श्री यंत्र कुमकुम पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस विशेष धार्मिक आयोजन में भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ श्री यंत्र पूजन तथा 1008 कुमकुम अर्चना संपन्न होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति, सद्भाव एवं कल्याण की मंगलकामना करना है। शाखा की ओर से सभी सदस्याओं, मातृशक्ति एवं परिवारजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पूजन का पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।शाखा पदाधिकारियों ने बताया कि जो श्रद्धालु पूजन में सहभागी बनना चाहते हैं, उनके लिए युगल (कपल) पूजन का शुल्क 2,100 रुपये तथा एकल (सिंगल) पूजन का शुल्क 1,100 रुपये निर्धारित किया गया है।बैठक में शाखा की पदाधिकारी सविता अग्रवाल, शशि अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, संतोष अग्रवाल एवं शिल्पा अग्रवाल उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य अनीता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल एवं दीपलक्ष्मी अग्रवाल ने भी सहभागिता की।शाखा पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की।

तेलंगाना स्थापना दिवस मनाते हुए गोशामहल विधानसभा क्षेत्र मंगलहाट डिविजन के नेता एच. कुमार, जी. नरेंद्र गौड, गड्डम श्रीनिवास यादव, आरवी महेंदर. बकेश सिंह, श्रीनिवास यादव, गोपाल सिंह, संजय सिंह, मूर्ति एवं अन्य।

श्री अकन्ना मदन्ना प्रार्थना हॉल में श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन महाभारत प्रसंग और परीक्षित जन्म का जीवंत वर्णन

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
हरिबाउली, हैदराबाद स्थित श्री अकन्ना मदन्ना प्रार्थना हॉल में आयोजित किए जा रहे नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन बुधवार की शाम को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तिमय माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में भगवान के विभिन्न प्रसंगों का अत्यंत सुंदर और भावपूर्ण वर्णन किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन चित्रकूट धाम से पधारे परम पूज्य राम संजीवन शास्त्री जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा का रसपान कराया। उन्होंने अपनी सुमधुर वाणी से शुकदेव जन्म, राजा परीक्षित जन्म, भीम स्तुति और महाभारत के मार्मिक प्रसंगों की विस्तृत व्याख्या की, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा के दूसरे दिन की मुख्य पूजा यजमान चंचला सुगंधी, लोकेश सुगंधी एवं उनके परिवार द्वारा संपन्न की गई। मंदिर के मुख्य पुजारी भागवत प्रसाद ने सभी वैदिक पूजा अनुष्ठानों को विधि-विधान के साथ पूर्ण करवाया।

कथा के विश्राम पर भगवान की दिव्य महाअ-ारती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तों ने हिस्सा लिया। इसके पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच मअन्न प्रसादमफ(भंडारा) का वितरण किया गया, जहाँ भक्तों ने कतारबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया।

दंत चिकित्सक बढ़ाएं कदम, शुरुआती चरण में ही ओरल कैंसर की पहचान कर बचाएं जान

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) की डेक्कन शाखा ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मासाब टैंक स्थित द गोल्कोंडा होटल में एक सतत दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दंत चिकित्सकों को ओरल कैंसर (मुंह के कैंसर) की शुरुआती पहचान और रोकथाम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर तेलंगाना राज्य भाजपा डॉक्टर्स सेल के अध्यक्ष डॉ. के राजशेखर रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ आईडीए डेक्कन शाखा की अध्यक्ष डॉ. पी सूर्य प्रसन्ना, पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस निरंजन रेडी, नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. पी करुणाकर और रेनोवा व मेडवाइज ऑन्कोलॉजी की कंसल्टेंट हेड एंड नेक ऑन्कोसर्जन डॉ. अश्विनी मुन्नंगी सहित डेंटल जगत के कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि दंत चिकित्सक (डेंटिस्ट) ही वे पहले स्वास्थ्य पेशेवर होते हैं जो मरीजों के मुंह में शुरुआती लक्षणों को देख पाते हैं। अगर सही समय पर बीमारी की पहचान कर ली जाए, तो इलाज के नतीजे काफी बेहतर हो सकते हैं और ओरल कैंसर से होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

आप अपनी दैनिक प्रैक्टिस में तंबाकू के हानिकारक प्रभावों जैसे दांतों पर दाग, सांसों की बदबू, पायरिया, घाव भरने में देरी, प्री-कैंसर लक्षण और ओरल कैंसर को करीब से देखते हैं। जो चीज एक आदत के रूप में शुरू होती है, वह अक्सर एक घातक लत में बदल जाती है। डेंटिस्ट मरीजों के मुंह में सफेद पैच (धब्बे), न भरने वाले छाले, मुंह का कम खुलना या बिना वजह खून आने जैसे शुरुआती लक्षणों को आसानी से पहचान सकते हैं। समय पर आपकी एक सलाह और सही इलाज अनगिनत जिंदगियां बचा सकता है।

आईडीए डेक्कन शाखा की अध्यक्ष डॉ. पी सूर्य प्रसन्ना ने बाजार में आ रहे तंबाकू और निकोटिन के नए रूपों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक सिगरेट और गुटखा के अलावा, अब वेपिंग डिवाइस (ई-सिगरेट) और फ्लेवर्ड निकोटिन प्रोडक्ट्स जैसे नए तरीकों से युवा पीढ़ी को निशाना बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भले ही इन आदतों को कितना भी ग्लैमरस दिखाकर पेश किया जाए, लेकिन स्वास्थ्य पेशेवरों को इसके खिलाफ वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित जागरूकता फैलानी होगी और युवाओं को इसके जाल में फंसने से रोकना होगा। कार्यक्रम के समापन पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 को चिह्नित करते हुए एक विशेष अभियान चलाया गया। आईडीए डेक्कन शाखा के सचिव डॉ. ए श्रीकांत के नेतृत्व में कार्यकारी समिति के सदस्यों ने तंबाकू के दुष्प्रभावों को दर्शाने वाले प्लेकार्ड (तख्तियां) प्रदर्शित किए और समाज को तंबाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बड़ा दांव: तेलंगाना में निवेश के लिए दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी को दिया न्योता

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य में वैश्विक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को एक बड़ा कदम उठाया। मुख्यमंत्री ने दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं और उन्हें तेलंगाना में निवेश करने तथा आगामी दिसंबर में भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले मतेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2026फ में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल माशाटिले के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में आईटी व उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और स्वास्थ्य मंत्री सी. दामोदर राजा नरसिम्हा भी शामिल हुए।

ग्लोबल समिट 2026 का निमंत्रण: मुख्यमंत्री ने दक्षिण अफ्रीकी उद्योगपतियों को दिसंबर में होने वाले ग्लोबल समिट में आने का न्योता दिया। उन्होंने बताया कि मतेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025फ की बड़ी सफलता के बाद अब राज्य 2026 के समिट के लिए तैयार है।भारत फ्यूचर सिटी में निवेश की अपील: मुख्यमंत्री ने दक्षिण अफ्रीकी कंपनियों से हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास प्रस्तावित 30,000 एकड़ में फैली मभारत फ्यूचर सिटीफ में निवेश के अवसर तलाशने का आग्रह किया।

हैदराबाद का बढ़ता कद: उन्होंने बताया कि हैदराबाद आईटी, फार्मा, डिफेंस और एयरोस्पेस के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र बन चुका है। फॉर्च्यून 500 कंपनियों के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर यहाँ स्थापित हैं और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं के कारण यह मेडिकल टूरिज्म का एक बड़ा हब बन गया है।अफ्रीकी बाजार का रास्ता: दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल माशाटिले ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीका के जरिए भारतीय कंपनियों को मअफ्रीकन कॉन्टिनेंटल फ्री ट्रेड एरियाफ के माध्यम से पूरे अफ्रीकी बाजार तक पहुंच मिल सकती है। उन्होंने फार्मास्युटिकल (दवा निर्माण) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

जर्मनी के थुरिंगिया राज्य के मिनिस्टर-प्रेसिडेंट मारियो वोइग्ट के नेतृत्व में आए जर्मन प्रतिनिधिमंडल के साथ भी मुख्यमंत्री की बेहद सकारात्मक बातचीत हुई। इस दौरान तेलंगाना और थुरिंगिया के बीच प्रौद्योगिकी, कौशल प्रशिक्षण, स्टार्टअप और लाइफ साइंसेज (जीवन विज्ञान) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री ने जर्मनी, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की कार्यबल (वर्कफोर्स) आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों को री-डिजाइन करने की बात कही, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संदर्भ में। उन्होंने मयंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटीफ, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स और पॉलिटेक्निक संस्थानों के पाठ्यक्रम को मजबूत करने के लिए जर्मनी से सहयोग मांगा। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में एक विशेष जर्मन-भाषा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। इस पर श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने बताया कि मतेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनीफ जर्मन भाषा के प्रशिक्षण और वर्कफोर्स को तैयार करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मारियो वोइग्ट ने तेलंगाना को नवाचार (इन्नोवेशन) का केंद्र बताते हुए कहा कि जर्मनी की सेमीकंडक्टर कंपनियां निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए जल्द ही तेलंगाना का दौरा कर सकती हैं। उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा कि हैदराबाद का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है।

हाईवे पर ठाकरे-शिंदे मिलाप

क्या फिर एक होगी शिवसेना?

मुंबई, 03 जून (एजेंसियां) महाराष्ट्र की राजनीति में एक वायरल तस्वीर और कुछ सेकंड की मुलाकात ने सियासी गलियारों में नई चर्चाएं छेड़ दी हैं। मंगलवार को समृद्धि एक्सप्रेसवे पर उद्धव ठाकरे खेमे के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे और एकनाथ शिंदे गुट के नेता तथा मंत्री अब्दुल सत्तार के बीच मुलाकात हुई। उनके गर्मजोशी से गले मिलने की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई।

इसके बाद से यह सवाल फिर उठने लगा है कि क्या शिवसेना के दोनों टूटे हुए धड़े भविष्य में फिर एक साथ आ सकते हैं। राजनीतिक हलकों में इस मुलाकात को महज संयोग नहीं माना जा रहा है। खासकर तब, जब दोनों नेताओं के हालिया सार्वजनिक बयानों ने पहले ही सुलह और पुनर्मिलन की संभावनाओं को लेकर चर्चा छेड़ रखी थी। हाईवे मीटिंग ने अटकलों को हवा दे दी।

आगामी एमएलसी चुनावों और बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच दोनों खेमे किसी नए रास्ते की तलाश कर सकते हैं। दरअसल, ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे ने हाल ही में कहा था कि भारतीय जनता पार्टी का तेजी से बढ़ता राजनीतिक विस्तार क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व के लिए चुनौती बनता जा रहा है। उनका बयान क्षेत्रीय राजनीति के संदर्भ में काफी अहम माना गया था। दूसरी ओर, शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता अब्दुल सत्तार ने भी संकेत दिया था कि यदि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंजूरी दें, तो वर्षों तक साथ काम कर चुके नेताओं के बीच दूरी कम होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। इसी पृष्ठभूमि में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर दोनों नेताओं की मुलाकात ने राजनीतिक चर्चाओं को और तेज कर दिया है। तस्वीरों में दोनों नेता एक-दूसरे से आत्मीयता से मिलते दिख रहे हैं।

एमएलसी चुनाव से पहले संकेत, क्या है अगला कदम?

यही वजह है कि इस मुलाकात को सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार से आगे बढ़कर देखा जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का समय भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महाराष्ट्र में जल्द ही एमएलसी चुनाव होने हैं। उससे पहले सत्ताधारी महायुति गठबंधन के भीतर भी कई मुद्दों पर मतभेदों की चर्चाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में ये नजदीकी राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

हाल के दिनों में अब्दुल सत्तार का एक बयान भी काफी चर्चा में रहा था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों के रिश्तों को लेकर स्लो पॉइज़निंग जैसा शब्द इस्तेमाल किया था। इस बयान को महायुति के भीतर मौजूद असहजता और असंतोष के संकेत के रूप में देखा गया। इस तरह के बयान शिंदे खेमे के भीतर बढ़ती बेचैनी की ओर इशारा करते हैं।

दोनों खेमों के शीर्ष नेताओं ने क्या कहा?

हालांकि, इन तमाम अटकलों के बीच दोनों पक्षों के शीर्ष नेताओं ने फिलहाल पुनर्मिलन या मर्जर की संभावना को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि उनका गुट ही बालासाहेब ठाकरे की असली विरासत को आगे बढ़ा रहा है और जनता का जनादेश उनके साथ है। उन्होंने किसी भी संभावित विलय की चर्चा को महत्व देने से इनकार किया है।

उधर, उद्धव ठाकरे खेमे के प्रमुख नेताओं में शामिल संजय राउत ने भी अपनी अलग व्याख्या पेश की है। राउत का कहना है कि असली शिवसेना ठाकरे परिवार के नेतृत्व वाली शिवसेना है। यदि किसी को अपने पुराने राजनीतिक घर में लौटना है, तो उसके लिए मातोश्री के दरवाजे खुले हैं। उनके इस बयान को भी राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

कर्तव्य के दौरान जान गंवाने वाले लाइनमैन के परिवार को ढांढस:

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सौंपा 1 करोड़ का बीमा चेक

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को एक अत्यंत सराहनीय और संवेद-नशील कदम उठाया। उन्होंने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले मउत्तरी विद्युत वितरण कंपनीफ के एक कर्मचारी के परिवार को 1 करोड़ की दुर्घटना बीमा राशि का चेक सौंपा।

हैदराबाद स्थित मप्रजा भवनफ में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने यह चेक स्वर्गीय सोनकांबले प्रमोद कुमार की पत्नी और नामांकित (नॉमिनी) सोनकांबले स्वप्ना को प्रदान किया। प्रमोद कुमार एनपीडीसीएल में लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे।

एनपीडीसीएल के बासर डिवीजन में तैनात लाइनमैन प्रमोद कुमार 24 मार्च 2025 को अपनी आधिकारिक ड्यूटी निभा रहे थे, तभी एक दुखद हादसे में उनका निधन हो गया था।

अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह मुआवजा राशि यूनियन बैंक ऑफ इंडियाऔर एनपीडीसीएल के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के तहत प्रदान की गई है। इस समझौते के तहत एनपीडीसीएल कर्मचारियों को एक विशेष व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना का लाभ मिलता है।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि यूनियन बैंक की यूएसएसए-2 और यूएसएसए-3 सैलरी पैकेज योजनाओं के तहत, जो कर्मचारी बैंक में अपना वेतन खाता रखते हैं, वे 1 करोड़ तक के दुर्घटना बीमा कवर के हकदार होते हैं।

प्रमोद कुमार ने 23 सितंबर 2024 को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बासर शाखा में अपना यूएसएसए-2 सैलरी पैकेज खाता खोला था, जिसने उन्हें इस सुरक्षा कवच का हकदार बनाया।

उनके निधन के बाद, उनकी पत्नी स्वप्ना ने बासर शाखा के माध्यम से बीमा दावा प्रस्तुत किया था। इस दावे को पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रोसेस किया गया और 30 मई 2026 को 1 करोड़ की पूरी राशि उनके बचत खाते में क्रेडिट कर दी गई।

अधिकारियों ने कहा कि इस क्लेम का समय पर और बिना किसी बाधा के निपटारा होना, सरकार और बैंकिंग क्षेत्र की कर्मचारी कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह योजना कार्यस्थल पर होने वाली किसी भी त्रासदी के बाद प्रभावित परिवारों को मजबूत वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है।

कार्यक्रम में सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए सैलरी पैकेज खातों के साथ मिलने वाले बीमा लाभों के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

इस भावुक क्षण और सम्मान कार्यक्रम में एनपीडीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वरुण रेड्डी, वित्त निदेशक तिरुपति रेड्डी और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एमडी व सीईओ आशीष पांडे भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और भविष्य में भी हर संभव सहायता का भरोसा दिया।

ओवैसी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उपयोग करके मुस्लिमों, महिलाओं, प्रवासियों और गरीबों को निशाना रही है। श्री ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच ङ्गएक्सफ पर एक पोस्ट में दावा किया कि केंद्र सरकार ने पहले ङ्गदस्तावेजों पर आधारित एसआईआरफ प्रक्रिया चलाई, जिसके कारण कथित तौर पर 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची से लगभग 6.5 करोड़ नाम हटा दिये गये। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अब एक समिति के माध्यम से अवैध प्रवासियों की पहचान करने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए एक स्थायी प्रणाली बनाना चाहती है, जो इन हटाये गये नामों का अध्ययन कर रही है।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, वोट देने का अधिकार ताकतवरों के खिलाफ गरीबों का एकमात्र हथियार है। इसके बिना सरकार उनके साथ जो चाहेगी वह करेगी। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची से नाम हटाये जाने के कारण कई लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजन-ाओं के लाभों से पहले ही वंचित किया जा रहा है।

श्री ओवैसी ने कहा कि कानून के तहत, एसआईआर के दौरान नाम हटाये जाने का मतलब किसी व्यक्ति को गैर-नागरिक घोषित करना नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि लगभग 27 लाख मामले अभी भी विचाराधीन हैं और प्रभावित लोग मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए मफॉर्म 6फ के माध्यम से दोबारा आवेदन कर सकते हैं।

सांसद ने आरोप लगाया कि उपलब्ध आंकड़ों से संकेत मिलता है कि मतदाता सूची से बाहर किये गये अधिकांश लोग मुस्लिम, महिलाएं, प्रवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हैं।

संस्कार, संस्कृति और सेवा का संगम है राधे-राधे ग्रुप : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल सेवा का ही नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के संरक्षण का भी एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें परोपकार, करुणा और जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा देती है तथा इसी भावना के साथ ग्रुप निरंतर समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को हमारे शास्त्रों में सर्वोत्तम दान माना गया है और जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है। सेवा के इन कार्यों से समाज में भाईचारा, प्रेम और सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शिव भगवान अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल एवं दीपचंद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

मानवता की मिसाल : टप्पचबूतरा पुलिस कर्मियों ने सीपीआर देकर बचाई बिजली कर्मचारी की जान

प्रजा एकता पार्टी ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। टप्पचबूतरा थाना क्षेत्र में कर्तव्यनिष्ठा और मानवता का एक ऐसा उदाहरण सामने आया है, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया है। क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान करंट की चपेट में आए बिजली विभाग के लाइनमैन राजू नाइक के लिए टप्पचबूतरा पुलिस स्टेशन के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर वेंकटेश्वरलू और पुलिस कांस्टेबल बी. सुरेश देवदूत बनकर सामने आए। दोनों पुलिस कर्मियों ने तत्-परता दिखाते हुए मौके पर ही राजू नाइक को सीपीआर दिया, जिससे उनकी जान बच गई।

पुलिस कर्मियों की इस बहादुरी और त्वरित सूझबूझ की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। इसी कड़ी में, प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने इस सराहनीय कार्य की सराहना करते हुए दोनों पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया।

इस सम्मान समारोह में बोनाला श्रीनिवास के साथ एमके नरेंद्र, रजनीकांत वंजारी और चंदन सिंह खालसा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने डिटेक्टिव इंस्पेक्टर वेंकटेश्वरलू और कांस्टेबल बी. सुरेश के इस साहसिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस का यह रूप समाज में सुरक्षा और विश्वास की भावना को और मजबूत करता है।

तेलंगाना में 5 जून से लागू होंगी जमीन की नई सरकारी कीमतें

राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी का बड़ा एलान

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि पूरे राज्य में जमीन की संशोधित सरकारी कीमतें 5 जून से लागू हो जाएंगी।

मंत्री ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के विजन के अनुरूप, व्यापक जमीनी अध्ययन, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लंबी चर्चा और प्रसिद्ध आर्थिक विशेषज्ञ अरविंद सुब्रमण्यम की सिफारिशों के आधार पर इस बार कीमतों का संशोधन बेहद वैज्ञानिक और तर्कसंगत तरीके से किया गया है।

राजस्व मंत्री ने बताया कि नई संशोधित दरें तय करने से पहले विभिन्न क्षेत्रों की बाजार स्थितियों, वहां होने वाली रजिस्ट्रियों की संख्या ओपन मार्केट की कीमतों और वास्तविक बाजार दरों व सरकारी मूल्यों के बीच के अंतर का बारीकी से अध्ययन किया गया है।

पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए पोंगुलेटी ने आरोप लगाया कि:पिछली बीआरएस सरकार ने साल 2021-22 के दौरान बिना किसी जमीनी अध्ययन के मअवैज्ञानिक तरीकेफ से जमीन की कीमतें बढ़ाई थीं। इसके कारण कई इलाकों में वास्तविक बाजार मूल्य और सरकारी रजिस्ट्रेशन वैल्यू के बीच असामान्य विसंगतियां पैदा हो गई थीं। वर्तमान सरकार ने राज्य के सभी 144 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों के अधिकार क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर यह संशोधन किया है। इसके लिए निम्नलिखित प्रमुख कारकों को आधार बनाया गया है:

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर निभाई सहभागिता

हैदराबाद, 03 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के लोगों की सेवा करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। ग्रुप द्वारा लंबे समय से निरंतर अन्नदान एवं सामाजिक सेवा के विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को मिल रहा है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सरड़ा, संजय गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया एवं हरीश टोल-ाराम हिंदूजा ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर समाज में सेवा, सहयोग और करुणा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

वक्ताओं ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा के कार्यों में समर्पित भाव से जुटा हुआ है। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना और समाज में आपसी भाईचारे एवं सद्भाव को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

सुलतान बाजार के सर्कल इंस्पेक्टर श्री नरेश से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बधाई देते हुए आर.ए. विनोद, पी. शंकर, ईश्वर एवं अन्य ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.